तापमान

अधिकतम-44^{0}C

न्यूनतम-27^{0}C

प्रयाग दर्पण

प्रयागराज से प्रकाशित व सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में प्रसारित

1996 की तरह वर्ष 2024 में भी मेरे साथ हुआ षडयंत्र-टिकट कटने पर बोले बृजभूषण 3

बीयर की बोतल घोंपकर युवक की हत्या, जैतपुरा में रिक्शा चालक को पहले पीटा 4

वर्ष : 10 अंक : 45 प्रयागराज, गुरुवार 16 मई 2024 www.prayagdarpan.live हिन्दी दैनिक पृष्ठ : 4 मूल्यः 3 रूपये

कांग्रेस पर योगी का बड़ा हमला, बोले,सच बोलने की आदत डालें कांग्रेस अध्यक्ष, विपक्ष करता है बंटवारे की राजनीति

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में आज इंडिया गठबंधन की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई। इस दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने बीजेपी पर जमकर हमला बोला। खड़गे ने कहा कि भाजपा लोकसभा में दो सौ सीट भी नहीं जीत पाएगी। जबकि अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा का रथ फंस नहीं बल्कि धंस गया है। इसके जवाब में सीएम योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को सच बोलने की आदत डालनी चाहिए। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का वैसे भी सफाया है। कांग्रेस हो या समाजवादी पार्टी, इन्होंने हमेशा बंटवारे की राजनीति की है। कांग्रेस का इतिहास है देश को पहले बांटा, फिर जाति, मत और मजहब के आधार पर बांटा, क्षेत्र और भाषा के आधार पर बांटा। सीएम योगी ने कहा कि आज फिर ये उसी प्रकार की विभाजन की राजनीति करना चाहते हैं, झूठ बोलकर गुमराह करने की राजनीति करते हैं।

उन्होंने कहा कि साल 2012 में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष प्रदेश के मुख्यमंत्री थे, उन्होंने कहा था कि यहां जितने भी दलित महापुरुषों के स्मारक बने हुए हैं इन्हें तोड़कर कोई दूसरी चीज बनाएंगे। सीएम ने आरोप लगाया कि बांटो और राज करो के कांग्रेस के सिद्धांत का अनुसरण आज इनका गठबंधन कर रहा है। संविधान में जितना संशोधन और जितनी छेड़छाड़ कांग्रेस ने की इतना किसी ने नहीं किया। आज भी कांग्रेस और सपा इस प्रकार का षड्यंत्र कर रहे हैं जो देश और समाज के लिए अपूरणीय क्षति हो सकती है। सीएम योगी ने कहा कि इंडी गठबंधन राम विरोधी है। ये अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ी जाति को मिलने वाले आरक्षण के विरोधी हैं। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश सशक्त हुआ है और लोकसभा चुनावों में जनता अपना पूरा आशीर्वाद हमे देने जा रही है।

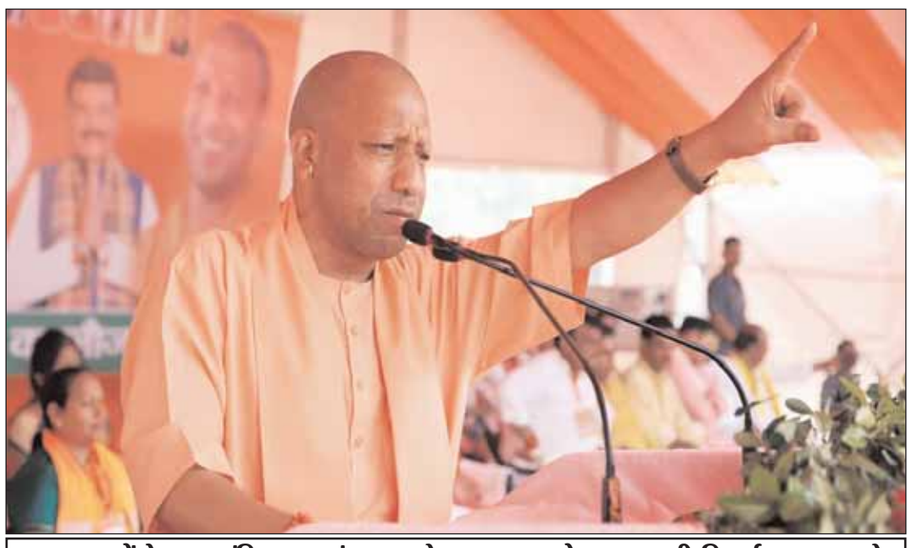

चार चरणों के बाद इंडिया गठबंधन आगे, चार जून को भाजपा की विदाई तयः खड़गे

लखनऊ। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दावा किया है कि चार चरणों के चुनाव के बाद इंडिया गठबंधन आगे चल रहा है। चार जून को भाजपा की विदाई हो जायेगी।खड़गे ने लखनऊ में बुधवार को समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अब तक चार चरणों के चुनाव हो चुके हैं। इंडिया गठबंधन काफी आगे है। जनता ने नरेंद्र मोदी की विदाई तय कर दी है। खड़गे ने कहा कि यह चुनाव विचारधारा की लड़ाई है। एक तरफ वो लोग हैं जो कुछ अमीरों के लिए धर्म का इस्तेमाल कर रहे हैं और दूसरी तरह गरीबों और युवाओं के लिए लोग लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये लड़ाई आरक्षण और संविधान बचाने की लड़ाई है।उन्होंने कहा कि सरकारी संस्थानों में पद खाली हैं, लेकिन केंद्र सरकार उनको भरने के लिए राजी नहीं। हमारी सरकार बेरोजगारी और महंगाई के खिलाफ लड़ रही है। हम लोग अमीर और गरीब के अंतर को मिटाने के लिए लड़ रहे हैं। ये देश का भविष्य बनाने वाला चुनाव है। हमारी आगे की पीढ़ी को बचाने की लड़ाई है। आरक्षण लेने वाले थोड़े लोग हो सकते हैं, लेकिन देश के संविधान को बचाने के लिए हम सबको लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि तानाशाही में लोगों के वोट का अधिकार भी सुरक्षित नहीं रहेगा। भाजपा लोगों को डराकर नामांकन दाखिल नहीं करने दे रही है।कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हम सत्ता में आने पर जातीय जनगणना करवाएंगे। इससे लोगों की सामाजिक, आर्थिक स्थिति का अंदाजा लग सके। ये हम देश को कमजोर करने के लिए नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी हमारे घोषणा पत्र के बारे में झूठ फैला रहे हैं।

बीजेपी का रथ फंसा नहीं, धंस गया है, अखिलेश यादव बोले, 140 सीटों के लिए तरस जाएगी भाजपाः अखिलेश यादव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आज कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान मल्लिकार्जुन खड़गे ने दावा किया कि 4 जून को मोदी सरकार की विदाई हो जाएगी और गठबंधन की सरकार बनेगी। वहीं, अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर हमलावर होते हुए कहा कि भाजपा ने लोगों को झूठे सपने दिखाए। बीजेपी का रथ फंसा नहीं बल्कि धंस गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा 140 सीटों के लिए ही तरस जाएगी और इंडिया गठबंधन यूपी में 80 में से 79 सीटें रहा है। अखिलेश यादव ने आगे कहा बीजेपी संविधान को खत्म करना चाहती है। भाजपा का जितना भी झूठ चढ़ना था वह अब चढ़ चुका है। अब वह अपने ही वादों में उलझ चुकी है। भाजपा की बूथ कमेटी लूट कमेटी बन गई है। आय दोगुनी करने का वादा भाजपा का झूठा निकला है। अखिलेश यादव ने कहा कि अब देश की जनता बदलाव चाहती है। आगामी 4 जून को इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी। अखिलेश यादव ने दावा करते हुए कहा कि उम्मीद लगाकर किसान बैठा है कि सरकार बदलेगी। 79 सीट सीटें गठबंधन जीत रहा है और सिर्फ एक सीट लड़ाई में है। वहीं, मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि अभी तक चार चरण में चुनाव हो गया है, इंडिया गठबंधन मजबूत स्थिति में है। मोदी सरकार का विदाई तय है। 2024 का चुनाव देश के लोकतंत्र और संविधान बचाने का चुनाव है। एक तरफ गरीबों के पक्ष में लड़ने वाली पार्टियां है और दूसरी तरफ अमीरों के साथ रहकर चुनाव लड़ रही पार्टियां है। सरकारी नौकरियां बहुत खाली है, लेकिन केंद्र की सरकार उसको भरने के लिए तैयार नहीं है। हमारा गठबंधन बेरोजगारी के खिलाफ लड़ रहा है। उन्होंने कहा कि तानाशाही में लोगों के वोट का अधिकार भी सुरक्षित नहीं रहेगा। भाजपा के लोग लोगों को डराकर नामांकन दाखिल नहीं करने दे रहे हैं। हैदराबाद में भाजपा प्रत्याशी मुस्लिम महिलाओं का बुर्का हटाकर देख रही है। जहां तक की बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को भी डराया जा रहा है। इन सबके बावजूद इंडिया गठबंधन आगे है। भाजपा काफी पीछे है। खरगे ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पर भी निशाना साधा और कहा कि उन्होंने संविधान को बदलने की बात की थी। भाजपा के कई नेता संविधान बदलने की बात करते रहते हैं लेकिन इन सब लोगों को मोदी कभी नहीं मना करते हैं।

नकली शिवसेना ने बाला साहब के हर सपने को चूर-चूर कर दिया, महाराष्ट्र के ढिंडोरी में बोले पीएम मोदी

डिंडोरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महाराष्ट्र के दौरे पर हैं। उन्होंने डिंडोरी में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने उद्धव ठाकरे पर जमकर हमला बोला। प्रधानमंत्री ने कहा कि नकली शिवसेना का कांग्रेस में विलय होना पक्का है। जब इनका विलय होगा तो सबसे पहले मुझे बाला साहेब ठाकरे की याद आएगी। पीएम ने कहा, नकली शिवसेना ने बाला साहब के हर सपने को चूर-चूर कर दिया है। पीएम मोदी ने कहा, यह नकली शिवसेना, नकली राष्ट्रवादी पार्टी का कांग्रेस में विलय होना पक्का है। जब इस नकली शिवसेना का कांग्रेस में विलय हो जाएगा तब मुझे सबसे ज्यादा याद बाला साहेब ठाकरे की आएगी। यह जो विनाश हो रहा है यह बाला साहेब को सबसे ज्यादा दुखी करता होगा। नकली शिवसेना ने बाला साहब के हर सपने को चूर-चूर कर दिया है।

बाला साहब ठाकरे का सपना था अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो। यह सपना पूरा हुआ लेकिन इससे सबसे ज्यादा चिढ़ नकली शिवसेना को हो रही है। पीएम ने कहा ने कहा कि कांग्रेस ने प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया और नकली शिव सेना ने भी चुना उसी रास्ते पर कांग्रेस के लोग मंदिर के बारे में बकवास कर रहे हैं और नकली शिवसेना पूरी तरह से चुप है। उनकी साझेदारी पाप की साझेदारी है और उनका पाप पूरी दुनिया के सामने उजागर हो गया है जो हुआ है, जनता ने उन्हें हर तरफसे हराया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, कांग्रेस के लिए अल्पसंख्यक सिर्फ एक ही हैं, उसका अपना प्रिय वोट बैंक। मुझे याद है मैं उस समय सीएम था तब मैंने उसका पुरजोर विरोध किया था।

कांग्रेस चाहती थी कि देश के सारे बजट का 15% सिर्फ मुसलमानों पर खर्च हो, तब भाजपा के जबरदस्त विरोध के बाद वे कामयाब नहीं हो पाए थे। प्रधानमंत्री ने कहा, हम तो छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रेरणा से काम करने वाले लोग हैं। ये चुनाव सिर्फ एमपी चुनने का नहीं है, बल्कि सीएम चुनने का है। ऐसा पीएम, जो ताकतवर भारत बनाने के लिए कड़े और बड़े फैसले ले सके।

खबरें एक नजर में

नीतीश कुमार की तरह न कोई सीएम बिहार में पैदा हुआ और न ही कभी होगा, मुख्यमंत्री की तारीफमें अनंत सिंह ने गढ़े कसीदे

पटना। मोकामा के पूर्व विधायक अनंत कुमार सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जमकर तारीफकी। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की तरह न कोई मुख्यमंत्री बिहार में पैदा हुआ और न ही पैदा होगा। अनंत कुमार सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार के पास कोई पारिवारिक जिम्मेदार नहीं थी। उनके भाई आज भी दवा बेचते हैं। बेटा भी राजनीति से दूर है। वे एक-एक काम में रात-दिन लगे रहते थे। आपने लालू यादव का शासन नहीं देखा है।उस वक्त अपहरण उद्योग चलता था। दिल्ली में नौकरी करने वालों के परिजनों को उठा लिया जाता था। मैं किसी की पार्टी में नहीं हूं लेकिन फिर भी कहता हूं कि नीतीश कुमार की तरह न कोई नेता बिहार में पैदा हुआ है और न ही होगा। बता दें कि लोकसभा चुनाव के बीच अनंत सिंह उर्फ छोटे सरकार 15 दिन के पैरोल पर जेल से बाहर आए हुए हैं। आनंद सिंह के जेल से बाहर निकलने की सूचना के साथ ही उनके समर्थकों में काफी उत्साह का माहौल है। वहीं, जेल से बाहर आने के बाद अनंत कुमार ने कहा था कि मैं घरेलू कारण से बाहर आया हूं। मैं कोर्ट से बाहर आया हूं। ललन सिंह को मेरी जरूरत नहीं है उनके पास बहुत वोट है। मैं अभी किसी के साथ नहीं हूं (ना लालू यादव ना नीतीश कुमार)। गौरतलब हो कि अनंत सिंह पटना की बेउर जेल में बंद है। एके-47 और हैंड ग्रेनेड मामले में अनंत सिंह को दस साल की सजा हुई है।

पहले 4 चरण के चुनाव ने बीजेपी की विदाई तय कर दी, कांग्रेस नेता जयराम रमेश का दावा

रांची। प्रधानमंत्री हमारे मुद्दों पर चुनाव लड़ रहे हैं और सबसे ज्यादा पीएम मोदी ने कांग्रेस के मेनिफेस्टो 5 न्याय और 25 गारंटी का प्रचार किया है ये कहना है राष्ट्रीय कांग्रेस के जयराम रमेश का जो आज रांची में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन करते हुए कही। जयराम रमेश ने कहा कि पहले 4 चरण के चुनाव ने भाजपा की विदाई तय कर दी है। पहले 2 चरण के चुनाव के बाद ही मोदी जी दक्षिण में साफतो उत्तर में मध्य, पश्चिम में हाफहो गए हैं। 4 चरणों में 389 सीटों पर हुए चुनाव के बाद इंडिया गठबंधन को स्पष्ट जनादेश होना तय हो गया है। अभी तीन चरण के चुनाव और होने हैं पर इसका कोई असर पड़ने वाला नहीं है और मोदी की विदाई तय हो गयी है। जयराम रमेश ने कहा कि हमारा विश्वास 5 न्याय और 25 गारंटी से तय होता है। इस देश की सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी है, यानी हर युवा की पहली नौकरी पक्की। उन्होंने कहा कि हम इस देश की किसानों का कर्ज माफकरेंगे और (एमएसपी) एमएसपी को कानूनी दर्जा दिया जाएगा। जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री घबराए हुए हैं उनकी भाषा में ये दिखाई दे रहा है। जयराम रमेश ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री से 4 सीधे सवाल पूछता हूं। पहला सवाल... जो इस चुनाव में बहुत महत्वपूर्ण हैं। 400 पार इसलिए चाहिए कि वो संविधान बदल सकें। हमारी लड़ाई इसको अक्षुण रखने की है। वो संविधान इसलिए बदलना चाहते हैं कि वो आरक्षण के खिलाफहैं, दूसरा सवाल... क्यों आप जातीय जनगणना कराने से भागना चाहते हैं, तीसरा सवाल ये है कि क्या ये सच नहीं है कि आपने सभी कानूनों में संशोधन लाया है जो कानून बनाये गए थे। आदिवासियों, दलितों और ओबीसी के हितों को सुरक्षित रखने के लिए बदलाव इसमें किया है।

4 जून को देश में इंडिया गठबंधन की आंधी आएगी और नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं रहेंगेः राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को फिर से दावा किया कि देश के हर कोने में 'इंडिया गठबंधन की आंधी है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चार जून के बाद इस पद पर नहीं रहेंगे। उन्होंने कांग्रेस पार्टी की ओर से एक्स पर जारी उनके भाषण से संबंधित दो वीडियो को फिर से पोस्ट करते हुए यह आरोप भी लगाया कि भाजपा 'झूठ की फैक्ट्रीश् चला रही है। कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा की ओर से राहुल गांधी के एक भाषण के एक अंश में कांट-छांटकर यह प्रचार किया गया कि नरेन्द्र मोदी चार जून, 2024 के बाद हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री बने रहेंगे। मुख्य विपक्षी दल का कहना है कि राहुल गांधी ने अपने भाषण में कहा था कि नरेन्द्र मोदी चार जून के बाद हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे। राहुल गांधी ने कांग्रेस की इस पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए कहा, '' 'झूठ की फैक्ट्री भाजपा खुद को कितना भी दिलासा दे ले, कोई फर्क नहीं पड़ने वाला।

प्रियंका गांधी पर्यटक की तरह चुनावों के वक्त दिखाई देती हैं और बाद में गायब हो जाती हैं, पीयूष गोयल का तंज

मुंबई। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को प्रियंका गांधी वाद्रा को गैर संजीदा राजनेता करार देते हुए कहा कि वह पर्यटक की तरह चुनावों के वक्त दिखाई देती हैं और बाद में गायब हो जाती हैं तथा असल भारत को नहीं समझतीं। गोयल ने यह भी कहा कि वह स्वतंत्रता आंदोलन में नेहरू-गांधी परिवार की भूमिका का सम्मान करते हैं। उन्होंने दावा किया कि आजादी के बाद एक व्यक्ति की निजी महत्वाकांक्षा भारत के लोगों की इच्छा पर हावी हो गई। भविष्य में प्रियंका गांधी के एक कद्दावर नेता के रूप में उभरने के सवाल पर मुंबई में अपने प्रचार अभियान के दौरान गोयल ने कहा, मुझे नहीं लगता। वे गैर-संजीदा राजनेता हैं। ऐसा प्रतीत नहीं होता कि वह असल भारत से जुड़ पाई हैं। वे काल्पनिक दुनिया में रहती हैं। वह चुनावों के दौरान नजर आती हैं और उसके बाद गायब हो जाती हैं। उन्होंने कहा, वह वास्तव में लोगों की सेवा नहीं कर सकतीं। नेहरू-गांधी परिवार की शहादत पर प्रियंका गांधी के बयान क्या जनता के बीच प्रभावी हो पाएंगे ? इस सवाल पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने कहा कि आजादी के बाद कांग्रेस ने कई स्वतंत्रता सेनानियों के कार्यों को एक परिवार से जोड़ कर रख दिया। गोयल ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के संदर्भ में कहा, देखिए, हम भारत के आजादी के संघर्ष में उनके परिवार की भूमिका का सम्मान करते हैं लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि उस वक्त कांग्रेस में हर कोई चाहता था कि सरदार पटेल को पार्टी की अगुवाई के लिए चुना जाए। लेकिन एक व्यक्ति की निजी महत्वाकांक्षा भारत के लोगों की इच्छा पर हावी हो गयी। प्रियंका इस महीने की शुरुआत में मध्य प्रदेश में कांग्रेस के प्रचार अभियान के दौरान भावुक हो गयीं थीं और उन्होंने जोर देकर कहा था कि उनके पिता राजीव गांधी को अपनी मां से दौलत नहीं बल्कि विरासत में शहादत मिली थी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनके परिवार के बलिदान को कभी नहीं समझेंगे।

कांग्रेस को डरना है तो डरे, पीओके भारत का हिस्सा है और हम उसे लेकर रहेंगे, बंगाल में गरजे अमित शाह

सेराम्पोर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में विरोध प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए कहा कि 'पीओके भारत का हिस्सा है और हम इसे लेकर रहेंगे। सेराम्पोर में एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद एक समय अशांत रहे कश्मीर में शांति लौट आई है, लेकिन पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर अब विरोध प्रदर्शनों और आजादी के नारों से गूंज रहा है। उन्होंने कहा, सरकार द्वारा 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद कश्मीर में शांति लौट आई है, लेकिन अब हम पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में विरोध प्रदर्शन देख रहे हैं। पहले यहां आजादी के नारे सुनाई देते थे, अब वही नारे पीओके में सुनाई देते हैं। पहले यहां पत्थर फेंके जाते थे, अब पीओके में पथराव हो रहा है। पीओके पर कब्जे की मांग का समर्थन नहीं करने के लिए कांग्रेस नेताओं पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा, ष्मणिशंकर अय्यर जैसे कांग्रेस नेता कहते हैं कि ऐसा नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि उनके पास परमाणु बम है। लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि वह भारत का हिस्सा है और हम उसे लेंगे।शाह ने कहा कि वर्तमान लोकसभा चुनाव इंडियन नेशनल इंक्लूजिव डेमोक्रेटिक अलायंस (इंडी) गठबंधन के भ्रष्ट नेताओं और ईमानदार राजनेता नरेन्द्र मोदी के बीच चयन करने का चुनाव है। मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री रहने के बावजूद कभी भी उनके खिलाफ एक पैसे का भी आरोप नहीं लगा। उन्होंने कहा, बंगाल को तय करना है कि वह घुसपैठिये चाहता है या शरणार्थियों के लिए नागरिकता संशोधन कानून (सीएए)। बंगाल को तय करना है कि वह जिहाद के लिए वोट करना चाहता है या विकास के लिए वोट करना चाहता है।ष् शाह ने सीएए का विरोध करने और अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए घुसपैठियों के समर्थन में रैलियां निकालने के लिए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना की।

माधवी राजे सिंधिया के निधन पर राजनीतिक जगत में शोक की लहर

भोपाल। मध्य प्रदेश के ग्वालियर घराने की प्रतिनिधि और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की माता माधवी राजे सिंधिया के निधन पर राजनीतिक जगत से जुड़े लोगों ने शोक संवेदनाएं व्यक्त की है। माधवी राजे सिंधिया का बुधवार को नयी दिल्ली के एम्स में निधन हो गया। वह पिछले कुछ समय से बीमार चल रही थीं। उनकी पार्थिव देह को ग्वालियर लाया जाएगा।उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक्स पर लिखा, भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की मां माधवी राजे सिंधिया के निधन का हृदय विदारक समाचार प्राप्त हुआ। मां जीवन का आधार होती हैं, इनका जाना जीवन की अपूरणीय क्षति है। बाबा महाकाल से दिवंगत पुण्य आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान और परिजनों को यह गहन दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमल नाथ ने अपने शोक संदेश में दुख व्यक्त करते हुए पुण्य आत्मा को श्रीचरणों में स्थान देने और परिजनों को यह आघात सहने की शक्ति देने की ईश्वर से कामना की है।

स्वाति मालीवाल मारपीट मामला, सीएम केजरीवाल अपने सहायक का इस्तीफा लें या फिर खुद पद छोड़ दें, भाजपा ने साधा निशाना

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आम आदमी पार्टी (आप) की सांसद स्वाति मालीवाल के साथ कथित बदसलूकी मामले में बुधवार को दिल्ली की सत्ताधारी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल की आलोचना की और मांग की कि या तो वह अपने सहायक बिभव कुमार का इस्तीफा लें या फिर वह खुद मुख्यमंत्री पद छोड़ दें। भाजपा की राष्ट्रीय प्रवक्ता शाजिया इल्मी ने पार्टी मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए मालीवाल की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई और केजरीवाल से सवाल किया कि क्या उन्हें 'किसी तरह का समझौता करने के लिए धमकाया या दबाव डाला जा रहा है। उन्होंने विपक्षी 'इंडिया गठबंधन पर भी निशाना साधा और कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी वाद्रा और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ-साथ तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष सुप्रीमो ममता बनर्जी की कथित चुप्पी पर सवाल उठाया। दिल्ली पुलिस के अनुसार मालीवाल सोमवार को सिविल लाइंस थाने पहुंची और आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर केजरीवाल के एक निजी सहायक ने उनसे 'मारपीट की। पुलिस को अभी तक इस घटना को लेकर कोई औपचारिक शिकायत नहीं मिली है। कथित घटना पर इल्मी ने कहा, ष्यह स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर उनकी पिटाई की गई थी... मैं (आम आदमी पार्टी में) सभी को अच्छी तरह जानती हूं। यह असंभव है कि केजरीवाल का दाहिना हाथ (बिभव कुमार) केजरीवाल के आदेश के बिना ऐसा करेगा। उन्होंने कहा, ''यह वास्तव में बहुत गंभीर है। अरविंद केजरीवाल को इस पर सफाई देनी चाहिए और अगर वह बिभव को इस्तीफा देने के लिए नहीं कह सकते हैं तो स्वयं इस्तीफा दे दें। उन्होंने केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि जरा सोचिए कि 'सीएम साहब के शीश महल में महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुरक्षित नहीं हैं तो दिल्ली की महिलाएं इस 'निकम्मी सरकार से क्या उम्मीद रख सकती हैं? भाजपा के महिला मोर्चा के कार्यकर्ताओं सहित पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने घटना की जांच की मांग करते हुए बुधवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री के आवास के पास प्रदर्शन किया। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कथित घटना पर केजरीवाल की चुप्पी पर सवाल उठाया और दोषियों के खिलाफकार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा, यह एक महिला के सम्मान का मामला है जो दिल्ली महिला आयोग की प्रमुख रह चुकी हैं।

एआई की बादशाहत

ले ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की ताकत को लेकर दुनिया में तमाम तरह की शंकाएं हों, लेकिन एक बात तय है कि आने वाले वक्त में यह क्रांतिकारी बदलावों की वाहक बनने जा रही है। यह लगातार नई ताकतवर तकनीकों को जन्म दे रही है। इसी कड़ी में एआइ तकनीक की गुणवत्ता से लैस सर्च इंजन के सामने आने की बात कही जा रही है है। कहा जा रहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संचालित यह सर्च इंजन कालांतर गूगल के सर्च इंजन की बादशाहत को चुनौती दे सकता है। ओपनएआई द्वारा निर्मित इस सर्च इंजन की कभी भी घोषणा की जा सकती है। बताया जाता है कि इस कार्य में ओपनएआई ने बड़ी संख्या में गूगल के विशेषज्ञों को इस प्रोजेक्ट के लिये अपने अभियान में शामिल किया है। निश्चित रूप से इसके सक्रिय होने से कई तरह के बदलाव देखने में आएंगे। दरअसल, इस सर्च इंजन को लेकर इसलिए भी उम्मीदें बढ़ चुकी हैं क्योंकि ओपनएआई का दूसरा उपक्रम चौटजीपीटी पहले ही दुनिया में धूम मचा चुका है। इसकी सफलता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2022 के अंत में शुरू हुए चौटजीपीटी के अब तक दुनियाभर में दस करोड़ मासिक उपयोग करने वाले हैं। कहा जा रहा है कि ओपनएआई के नये सर्च इंजन के अस्तित्व में आने से चौटजीपीटी की क्षमताओं का भी विस्तार होगा। यह माइक्रोसॉफ्ट समर्थित ओपनएआई की नई कामयाबी होगी। जिससे कालांतर ज्ञान की तलाश में इंटरनेट पर सर्च इंजन का प्रयोग करने वाले जिज्ञासुओं को सटीक जानकारी मिल सकेगी। निश्चित रूप से सर्च इंजन से मिलने वाली जानकारी महज तकनीकी नहीं होनी चाहिए। अब चाहे मूल पाठ हो या अनुवाद उसमें मौलिकता की महक होनी ही चाहिए। निश्चित रूप से जानकारी तार्किक होने के साथ ही आसान भी होनी चाहिए। ऐसे में आने वाले समय में इंटरनेट जगत में नए एआई आधारित सर्च इंजन से नई क्रांति की उम्मीद की जा रही है।दुनिया में सबसे युवा और प्रतिभाओं के देश भारत को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित व्यवस्था में अपनी पकड़ बनाने के लिये नई पहल करनी होगी। अमेरिकी कंपनियों माइक्रोसॉफ्ट, गूगल आदि तमाम कामयाब कंपनियों में भारतीय मेधा अपना परचम लहरा रही है। इन्हीं कंपनियों के उत्पाद भारत का आर्थिक दोहन कर रहे हैं। निस्संदेह, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अपने खतरे हैं। हमारा मुकाबला एक ताकतवर तकनीक से है। विकास के लिये इसकी जरूरत भी है,लेकिन इसके खतरों से भी सावधान रहने की जरूरत है। भविष्य में ताकतवर देशों द्वारा इसके दुरुपयोग की संभावनाएं भी कम नहीं हैं। ऐसे में सावधानी के साथ इस दिशा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ कदमताल करने की भी है। लेकिन बाजार इसका उपयोग हमारे दोहन के लिये न कर सके। इसके नियमन के लिये सख्त कानून लाये जाने की जरूरत है ताकि आम लोगों के हितों की रक्षा हो सके। यह ऐसी आग व ऊर्जा है, सावधानी से उपयोग करें तो बेहद उपयोगी है ,लापरवाही हो तो बहुत घातक भी है। सरकारों को मौजूदा व्यवस्था में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के खतरों के प्रति चिंतित भी होना चाहिए। इसके नियमन के लिये सख्त कानून बनाये जाने चाहिए। इसका उपयोग मानव की भलाई के लिये हो तो अच्छी बात है, लेकिन इसका इंसान के काबू में रहना भी जरूरी है। पश्चिमी जगत के विशेषज्ञ भी चेता रहे हैं कि यदि हम कृत्रिम बुद्धिमत्ता के खतरों के लिये खुद को तैयार नहीं कर पाए तो मानव सभ्यता के लिये यह घातक साबित हो सकता है। यह तथ्य विचारणीय है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जरिये यदि हम मशीनों को इंसानी सोच, उसी तरह कार्य करने व फैसले देने की क्षमता दे देंगे तो दुनिया के लिये कई तरह के खतरे पैदा होंगे ही। निश्चित रूप से भारत जैसे देश में जिसकी आबादी दुनिया में नंबर एक हो चली है, हर हाथ को काम देने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग के कितने खतरे हो सकते हैं, इसको लेकर भी देश के नीति-नियंताओं को गंभीरता से सोचना होगा।

भारत के एकलव्य

भारतीय पौराणिक कथाओं में, एकलव्य को अपने गुरु को गुरु दक्षिणा के रूप में अपना अंगूठा कटवाना पड़ा था। वर्तमान में कट करें और कहानी को कई बार ऑटो-सेक्टर के श्रमिकों - आज के एकलव्य - के रूप में प्रदर्शित किया जाता है, जो आकाओं द्वारा नहीं बल्कि उनके नियोक्ताओं के लालच और असंवेदनशीलता के कारण अपंग होते हैं। पिछले साल हरियाणा के गुड़गांव में आयोजित एक अनोखे सम्मेलन में उनकी दुर्दशा ने जनता की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया। औद्योगिक परिदृश्य में फैली असंख्य ऑटो कंपोनेंट फैक्ट्रियों में कार्यरत एक हजार से अधिक कर्मचारी वहां इकट्ठे हुए थे। एक सामान्य विशेषता यह थी कि लगभग सभी श्रमिकों के हाथ और उंगलियाँ ख़राब हो गई थीं।सम्मेलन के आयोजक सेफ इन इंडिया फाउंडेशन ने इस अवसर पर एक रिपोर्ट CRUSHED2023 जारी की। 2016 में अपनी स्थापना के बाद से SII द्वारा सहायता प्राप्त 6,000 से अधिक श्रमिकों से एकत्र किए गए गहन शोध और डेटा पर आधारित रिपोर्ट, समाज के लिए एक चेतावनी है। इतनी सारी दुर्घटनाएँ क्यों होती हैं? ऐसा अनुमान है कि 70% दुर्घटनाएँ पावर प्रेस मशीनों पर होती हैं, और लगभग सभी मामलों में श्रमिकों को कम से कम दो उंगलियाँ खोनी पड़ीं। आपूर्ति श्रृंखला में कंपनियों के सुरक्षा मानक बहुत ख़राब हैं और 48% से अधिक दुर्घटनाएँ खराब मशीनों के कारण होती हैं। यदि मशीनें सुरक्षा सहायक उपकरणों से सुसज्जित होतीं - ये महंगी नहीं हैं - तो वे कई श्रमिकों को बचा सकती थीं। इसके अलावा, उत्पादकता बढ़ाने का लगातार दबाव है। मुनाफ़े की उन्मादी खोज में, अवास्तविक लक्ष्य निर्धारित किए जाते हैं और श्रमिकों को लंबे समय तक कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया जाता है। अक्सर, श्रमिकों को पर्याप्त प्रशिक्षण नहीं दिया जाता है। कभी-कभी सहायकों को मशीनें चलाने के लिए मजबूर किया जाता है, भले ही उनके पास कोई प्रशिक्षण न होCRUSHED2023 अन्य चौंकाने वाले विवरणों का खुलासा करता है। सरकारी नियमों के अनुसार, पावर प्रेस चलाने के लिए कर्मचारी को 10वीं कक्षा पूरी करनी चाहिए। लेकिन वास्तव में, अधिकांश श्रमिक कम शिक्षित हैं, 81% से अधिक घायल श्रमिकों ने 10वीं कक्षा भी पूरी नहीं की है। अधिकांश कारखाने प्रवासियों को रोजगार देना पसंद करते हैं- सर्वेक्षण में शामिल घायल श्रमिकों में से 88% प्रवासी थे। ये दुर्घटनाएँ कई युवा जिंदगियों को बर्बाद कर देती हैं - घायल श्रमिकों में से 50% 30 वर्ष से कम उम्र के थे।कटे हाथों का आघात एक घायल कार्यकर्ता के लिए लंबी, निर्दयी यात्रा की शुरुआत मात्र है। नियोक्ताओं को कर्मचारियों को शामिल होने वाले दिन कर्मचारी राज्य बीमा निगम का ई-पहचान कार्ड प्रदान करना अनिवार्य है। ईएसआईसी की सेवाओं का लाभ उठाने के लिए यह कार्ड आवश्यक है। अधिकांश नियोक्ता अपने कर्मचारियों के लिए ईएसआईसी कार्ड नहीं बनवाते हैं। महाराष्ट्र और हरियाणा में हुए दो-तिहाई हादसों में कार्ड हादसे के बाद बनाए गए। नियोक्ताओं द्वारा एक और आम कदाचार दुर्घटना का कारण मानवीय विफलता बताना है। इससे दोष कर्मचारी पर मढ़ दिया जाता है जबकि दुर्घटनाएं वास्तव में खराब रखरखाव और दोषपूर्ण मशीनों के कारण होती हैंगुड़गांव सम्मेलन में महिला कार्यकर्ताओं को अपनी दुर्दशा के बारे में निडरता से बोलते देखा गया। वे उन सभी कठिनाइयों का सामना करते हैं जिनका पुरुषों को सामना करना पड़ता है; लेकिन इसके अलावा, उन्हें वेतन में भेदभाव, शौचालयों और क्रेच की कमी और सामाजिक कलंक का भी सामना करना पड़ता है। जब उनके हाथ कटे-फटे हो जाते हैं, तो जीवन एक अंतहीन दुःस्वप्न बन जाता है।

कांग्रेस का आत्मविश्वास लौटा, भाजपा के खिलाफ अगले दौर की लड़ाई की तैयारी

कल्याणी शंकर

कई अन्य देशों की तरह, भारत में भी राजनीतिक दल अक्सर आधिकारिक परिणाम घोषित होने से पहले ही चुनाव के दौरान जीत का दावा करते हैं। यह उनकी राजनीति का हिस्सा है। भारत में चल रहे चुनाव कोई सामान्य राजनीतिक घटना नहीं हैंय वे देश के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, और साथ ही कई राजनीतिक दलों के नेताओं के भाग्य के लिए भी। उनके गहरे और दूरगामी निहितार्थ हैं। मौजूदा हालात में सत्तारूढ़ भाजपा ने जीत का ऐलान करते हुए कहा है कि नतीजे उसकी उम्मीदों के मुताबिक होंगे। हालांकि, वास्तविक परिणाम अनिश्चित बना हुआ है, जिससे राजनीतिक परिदृश्य में रहस्य की परत जुड़ गई है। सात चरण के मतदान में से चार पहले ही हो चुके हैं, और शेष तीन चरण 20, 25 मई और 1 जून को होंगे। इनके नतीजे चुनाव परिणामों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकते हैं, जो 4 जून को सामने आयेंगे। हालिया जनमत सर्वेक्षणों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इन चुनावों में तीसरी बार अभूतपूर्व जीत हासिल करने का अनुमान है। इस बात पर बहस चल रही है कि भाजपा की सीटें बढ़ेंगी या घटेंगी। नरेंद्र मोदी सहित भाजपा नेताओं का दावा है कि भाजपा के नेतृत्व वाला राजग 543 सदस्यीय लोकसभा में 400 से अधिक सीटें जीतेगा। गृह मंत्री अमित शाह का कहना है कि एनडीए पहले तीन चरणों में 283 में से 200 सीटें हासिल करेगा। कांग्रेस पार्टी ने केवल एक बार 1984 के लोकसभा चुनावों में 400 से अधिक सीटें जीती थीं। राजनीतिक खिलाड़ियों को गेम-चेंजिंग रणनीति की आवश्यकता है क्योंकि समर्थन की कोई स्पष्ट लहर नहीं है। लाभ हासिल करने के लिए, भाजपा ने पांच प्रमुख रणनीतियों को लागू किया हैरू सेलिब्रिटी उम्मीदवारों का चुनाव लड़ना, हिंदू आधार को मजबूत करना, अल्पसंख्यक समूहों से अपील करना, विपक्ष द्वारा नियंत्रित क्षेत्रों में हिंदू वोटों को बनाये रखने के लिए फिर से बनाई गई सीमाओं का फायदा उठाना और मोदी को सर्वोच्च नेता के रूप में पेश करना।कांग्रेस और उसके सहयोगीगैर-भाजपाई हिंदुओं को मजबूत करने का प्रयास करते हुए एक रणनीतिक कदम उठा रहे हैं। मौजूदा चुनाव में मतदान प्रतिशत में गिरावट देखी गई, और यह अभी भी विचार किया जा रहा है कि क्या इसमें सुधार होगा या गिरावट जारी रहेगी। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने हाई-टेक शहरों में मतदाताओं की कठोर उदासीनता को उजागर करते हुए कुछ महानगरीय शहरों में मतदान पर निराशा व्यक्त की। यह चुनाव परिणामों को आकार देने में प्रत्येक मतदाता के महत्व को रेखांकित करता है।ध्यान रहे कि राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री सीपी जोशी एक वोट से चुनाव हार गये थे। उनकी पत्नी और बेटी उनकी जीत की प्रार्थना करते हुए वोट देने से चूक गई। इससे पता चलता है कि कैसे एक वोट भी चुनाव परिणामों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है। यह किस्सा चुनाव परिणामों पर एक वोट के संभावित प्रभाव पर भी जोर देता है। भारत के कुछ हिस्सों में उच्च तापमान से चुनाव में मतदान कम हो सकता है। हालांकि, कम मतदान कभी-कभी सत्तारूढ़ पार्टी को नुकसान पहुंचा सकता है, क्योंकि स्थानीय मुद्दे परिणाम को प्रभावित कर सकते हैं। भाजपा का लक्ष्य छह भारतीय राज्योंरू पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरल में अपनी राजनीतिक स्थिति में सुधार करना है। हालांकि, इसे क्षेत्रीय दलों से चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, जो राज्य चुनावों को प्रभावित करने और समग्र परिणामों को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। हाल ही में एक रैली के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनाव परिणामों की भविष्यवाणी में अनिश्चितताओं के बारे में बात की थी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पर हिंदी में एक संदेश पोस्ट करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने दोस्तों पर हमला किया, यह दर्शाता है कि मोदीजी की कुर्सी हिल रही है। सपा नेता अखिलेश यादव ने ट्वीट कर कहा कि पहले चरण के मतदान के बाद भाजपा की हालत खराब हो गई है। कांग्रेस पार्टी की रणनीति मुख्य रूप से सामाजिक कल्याण और आर्थिक सशक्तिकरण से संबंधित है। इस सर्वव्यापी दृष्टिकोण का उद्देश्य मतदाताओं की प्राथमिक चिंताओं को दूर करना है और इसमें मतदाताओं के एक विशाल वर्ग से जुड़ने की क्षमता है। यदि इसे मतदाताओं का समर्थन मिलता है तो यह चुनाव परिणामों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है। कांग्रेस पार्टी की चुनौती अपने सदस्यों को एकजुट रखना है। मोदी के उदय के बाद से, राज्य के नेताओं सहित कई राजनेता भाजपा में शामिल हो गये हैं। इनमें से कुछ को भाजपा ने टिकट दिया है। यह देखना बाकी है कि मतदाता इन दलबदलुओं के साथ कैसा व्यवहार करते हैं। कांग्रेस के भीतर आंतरिक विवाद वर्तमान में एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय है। प्रतिद्वंद्वी पार्टियों से संबंधों के आरोप वफादारी पर सवाल उठाते हैं। वे पार्टी की एकता को प्रभावित कर सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप आगामी चुनावों में उनके प्रदर्शन पर असर पड़ सकता है। इसलिए, चुनाव में उनकी संभावनाओं की अधिक सटीक समझ हासिल करने के लिए पार्टी के भीतर किसी भी घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रखना महत्वपूर्ण है।राजनीतिक नेताओं के प्रतिद्वंद्वी दलों के साथ संबंधों ने उनकी वफादारी को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। 2016 से 2020 के बीच 170 कांग्रेस विधायकों और 7 राज्यसभा सदस्यों ने पार्टियां बदल लीं, जिससे भारतीय राजनीति पर असर पड़ा। इससे उनकी निष्ठा को लेकर भ्रम और संदेह पैदा हो गया है। उन पर आरोप इन नेताओं और उनकी पार्टियों के बारे में मतदाताओं की धारणा को प्रभावित कर सकते हैं। भारत के सट्टा बाजार में भाजपा 330 से 335 सीटें जीतेगी पर 1350 रुपये की बोली लग रही जबकि 400 सीटें जीतेगी पर 12-15 रुपये। एनडीए 400 या उसके अधिक सीटें जीतेगी पर 4-5 रुपये की बोली लग रही है। ये भविष्य वाणियां चुनाव परिणामों के बारे में बाजार की धारणा को प्रतिबिंबित करते हैं जो राजनीति को भी प्रभावित कर सकता है। मंगलवार को भारत के स्टॉक बेंचमार्क में 1.5 प्रतिशत की गिरावट आई क्योंकि निवेशकों ने यह चिंता व्यक्त करते हुए अपना दांव घटा दिया कि भाजपा को अनुमान के मुताबिक ज्यादा सीटें नहीं मिल सकती हैं। अब सब कुछ 4 जून के नतीजों पर निर्भर है।

चौथे चरण के मतदान के बाद की भाजपा

लोकसभा चुनाव के सोमवार को हुए चौथे चरण के मतदान के बाद एक बार फिर से यह जांचने-परखने की कवायद तेज हो गई है कि तीसरी बार सरकार बनाने के लिये जी-तोड़ मेहनत कर रही भारतीय जनता पार्टी कहां खड़ी है। जिस प्रकार से 19 व 26 अप्रैल तथा 7 मई को क्रमशः पहले, दूसरे एवं तीसरे चरण के हुए मतदान में वह पिछड़ती हुई नजर आई थी, क्या वह फिसलन चौथे चक्र में भी बरकरार रही या फिर वह मुकाबले में लौट रही है? शाम को जब मतदान थमा और चुनावी विश्लेषक दिन भर का लेखा-जोखा लेकर बैठे तो उनका यह मानना है कि भाजपा वहीं खड़ी है जहां वह तीसरे चरण के बाद खड़ी थी। पूरे भारत में बढ़ती गर्मी को पहले भी कम वोटिंग प्रतिशत का कारण बतलाया गया था, इस बार तो वह था ही लेकिन और भी कई ऐसे कारण बने जिन्होंने भाजपा के उत्साह को घटाया है। सोमवार को 96 सीटों पर मतदान हुआ, जिसके साथ 379 सीटों पर चुनाव निपट गये हैं। माना जा रहा है कि अब तक भाजपा बड़ा नुकसान उठा चुकी है। कुछ राज्यों में तो चुनाव पूरे भी हो चुके हैं। इसके बाद बची 164 सीटों के लिये शेष तीन चरणों में मतदान होगा। क्या इस दौरान हुए नुकसान की भरपाई वह बची सीटों के जरिये पूरा कर सकेगी? कोई भी इसका जवाब हां में नहीं दे रहा है। खुद भाजपा वाले भी ऐसा होता नहीं देख रहे हैं।चौथे चरण के मतदान के दौरान जो कई क्षेत्रों में जो कुछ हुआ, उससे साफ है कि भाजपा को अपनी खस्ता हालत का पता चल गया है। एक मतदान केन्द्र में पीठासीन अधिकारी अपने उत्साह में भरकर मोदी मोदी के नारे लगाने लगी। हॉट सीट कन्नौज में, जहां समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव चुनाव लड़ रहे हैं, भाजपा के लोगों ने उनकी पार्टी के लोगों पर हमला कर दिया। फर्रुखाबाद में फायरिंग हो गई तो कानपुर व औरैया में भी तनातनी रही। मतदान सम्बन्धी 150 से ज्यादा शिकायतें मिलीं। महाराष्ट्र के बारामती ईवीएम कक्ष में काफी देर तक सीसीटीवी कैमरा बन्द रहा क्योंकि बिजली गुल हो गई। हैदराबाद में भाजपा उम्मीदवार माधवी लता मुस्लिम उम्मीदवारों के बुर्के उठाकर उनकी शिनाख्त करती मिलीं जिससे विवाद हो गया। ये सारी गड़बड़ियां बता रही हैं कि भाजपा को इस बात का एहसास हो गया है कि इंडिया गठबन्धन के सामने वह लगातार पिछड़ रही है।एक ओर मतदान जारी था तो वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को वाराणसी में एक भव्य रोड शो करना पड़ा। मंगलवार को उन्हें अपने नामांकन का परचा जो भरना था। (जो उन्होंने कर दिया)। इस रोड शो को करीब ढाई किलोमीटर की दूरी तय करने में पांच घंटों से भी ज्यादा समय लगा। एक रोज पहले उन्होंने बिहार की राजधानी पटना में जो रोड शो किया था, उसे लेकर अलग तरह की चर्चाएं रहीं। पूर्व केन्द्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद यहां से भाजपा के उम्मीदवार हैं। जिस रथ पर मोदी सवार होकर रोड शो कर रहे थे, उस पर प्रसाद के अलावा प्रदेश के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी सवार थे। 17 माह तक राष्ट्रीय जनता दल के साथ बिहार की सरकार चलाने वाले नीतीश बाबू की स्थिति तब विचित्र हो गई जब मोदी ने भाजपा का चुनाव चिन्ह (कमल) नीतीश को पकड़ा दिया। यह बतलाता है कि मोदी किस प्रकार से एक-एक सीट के लिये संघर्षरत हैं और अपना चुनाव चिन्ह दूसरी पार्टी के प्रमुख को सौंपने से भी गुरेज नहीं कर रहे। इसके पहले बिहार के ही मुजफ्फरपुर में हुई सभा में मोदी फिर अपने प्रचार में पाकिस्तान को लेकर आ गये। उन्होंने कहा कि इंडिया को सपने में भी पाकिस्तान का परमाणु बम दिखता है।उसके नेता कहते हैं कि पाकिस्तान ने चूड़ियां नहीं पहनी हैं। बकौल मोदी, अगर उसने चूड़ियां नहीं पहनी है तो वे (मोदी) पहना देंगे साफ है कि जैसे ही मोदी व भाजपा को अपनी हालत में कोई कमजोरी महसूस होती है तो देश के भीतर मुसलमान व बाहर पाकिस्तान उसे याद आता है। इंडिया गठबन्धन की बढ़ती मजबूती भाजपा की परेशानी का बड़ा सबब है। उत्तर प्रदेश उसका सबसे मजबूत किला रहा है। तीसरे चरण के ठीक पहले रायबरेली से राहुल गांधी ने नामांकन दाखिल किया जिसका असर पूरे उप्र में पड़ता दिख रहा है। यहां उनकी सभाओं के अलावा प्रियंका गांधी की सभाएं भी जबरदस्त भीड़ बटोर रही हैं। इतना ही नहीं, अखिलेश के साथ राहुल के रोड शो व सभाओं को भी लोगों का जोरदार प्रतिसाद मिल रहा है। पहले धारणा थी कि यहां कांग्रेस-सपा के संयुक्त प्रतिरोध के बावजूद भाजपा सम्मानजनक संख्या में सीटें जीत लेगी लेकिन अब कहा जा रहा है कि यूपी में भाजपा को वैसी सफलता नहीं मिलने जा रही जिसका दावा हो रहा था। इस बीच एक और जो महत्वपूर्ण बात हुई है वह यह कि अब लोग मोदी के विकल्प की चर्चा करने लगे हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इसी बीच कह दिया कि मोदी डेढ़ साल के बाद 75 साल के होकर रिटायर हो जायेंगे। वे वोट अमित शाह के लिये मांग रहे हैं। शाह को जवाब देना पड़ा कि उनकी पार्टी के संविधान में ऐसा नियम नहीं है। जो हो, केजरीवाल ने मुद्दा तो छेड़ ही दिया है। यह मोदी के साथ पूरी पार्टी को कमजोर करता है और इसी कमजोरी के साथ भाजपा ने चौथा चरण लड़ा है। आगे भी उसे ऐसे ही लड़ना है।

आज का राशि फल

मेषः- जीविका क्षेत्र में नए आयाम आपको उत्साहित करेंगे। पुरानी समस्याओं को हलकर सुख की अनुभूति करेंगे। आकस्मिक नई आशंकाओं से प्रभावित मन कोई गलत निर्णय ले सकता है।

वृषः- भौतिक आकांक्षाएं बलवती होंगी। राजनीतिज्ञों के लिए राजनीतिक क्षेत्र में व्यस्तता व क्रियाशीलता बढ़ेगी। परिजनों से किसी प्रकार की शिकायत पर खुलकर बात करें। खराब संगत से दूरी बनाएं।

मिथुनः- महत्वपूर्ण घरेलू दायित्वों के प्रति मन केन्द्रित होगा। अत्यधिक कार्यों की ब्यस्तता से मन परेशान होगा। पारम्परिक कायरे में व्यस्तता बढ़ेगी। जीवन साथी से भावनात्मक स्नेह प्राप्त होगा।

कर्कः- क्रोध व शंकाए छोड़ संबंधों में प्यार विखेरें। कार्य क्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी। क्षमता से अधिक व्यय भविष्य के लिए चिन्ता उत्पन्न करेगी। किसी नए कार्य में मन केन्द्रित होगा। सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी।

सिंहः- किसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी की ब्यस्तता से मन बोझिल होगा। निराशा त्याग मन को आशावादी बिचारों से सिंचित करें। महत्वपूर्ण क्षेत्र में संबंधों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में बौद्धिक क्षमता का लाभ उठाऐंगे।

कन्याः- किसी महत्वपूर्ण कार्य में धनाभाव अवरोधक हो सकता है। लेकिन प्रियजनों के सहयोग से समस्याएं हल होंगी। अच्छी आशाएं आप में क्रियाशीलता बढ़ाएंगी। परिवार में कोई सुखद माहौल बनेगा।

तुलाः- हर वक्त अपने को लाचार बनाए रखना अच्छी बात नहीं, समय का सदोपयोग करें और स्वयं को सकारात्मक दिशा दें। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित।

वृश्चिकः- शासन-सत्ता के सहयोग से कार्य क्षेत्र के अवरोध समाप्त होंगे। कार्य क्षेत्र में लोकप्रियता व वर्चस्व बढ़ेगा। प्रयत्न की सार्थकता उच्छृंखलता व व्यग्रता क्षेत्रों में एकाग्रता का अभाव पैदा करेगा।

धनुः- कोई नई योजना उत्साहित करेगी। भौतिक जगत के चकाचौंध आप प्रभावित होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में सफलता के आसार बढ़ेंगे। अच्छे ब्यवहारकुशलता से सामाजिक मान-मर्यादा में वृद्धि होगी।

मकरः- कुछ बालसुलभता व असंयमित शब्दों का प्रयोग संबंधों में कटुता ला सकता है। नैतिक जिम्मेदारियों में सजगता काबिले तारीफहोगी। पूर्वाग्रह वश मन में संबंधों के प्रति नकारात्मकता को न पालें।

कुंभः- ''खाली मन शैतान का घर'' अपने दिनर्चया को सुधारें। संतान संबंधी दायित्वों के प्रति मन चिंतित होगा। पारिवारिक जरुरतों की पूर्ति साधनाभाव से मन चिंतित होगा। मधुर वाणी से संबंधों में प्रभावशाली होंगे।

मीनः- भौतिक सुख-साधनों की ओर मन आकर्षित होगा। कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। कुछ नई प्रबल इच्छाएं आपको उद्वेलित करेंगी। परिश्रम द्वारा नए अवसरों का भरपूर लाभ उठाएंगे।

चौथे चरण के मतदान के बाद मोदी के भविष्य की चर्चा

डॉ. दीपक पाचपोर

जैसा कि अनुमान था, लोकसभा चुनाव के लिये सोमवार को हुए मतदान का चौथा चरण भी भारतीय जनता पार्टी के लिये वैसा ही साबित होने जा रहा है जिस प्रकार से पहले के तीन चरण (19 व 26 अप्रैल तथा 7 मई) गये हैं- निराशा भरे। राजनीतिक विश्लेषक और तमाम तरह के सर्वे एक स्वर में कह रहे हैं कि इस बार कम मतदान सत्तारुढ़ भाजपा के लिये खतरे की घंटी है। गर्मी को मतदान केन्द्रों में छाये सन्नाटे का चाहे कारण बतलाया जा रहा हो लेकिन केवल तेज गर्मी इसका एकमात्र कारण नहीं हो सकती। जो भी हो, कम मतदान किसे जीत दिलाता है या किसे पराजय, इसका पता तो 4 जून को ही लग पायेगा, लेकिन अब मीडिया में, खासकर समांतर यानी सोशल मीडिया में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भविष्य पर चर्चाएं शुरू हो चुकी हैं, जो तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने को व्याकुल हैं। यह स्वाभाविक ही है, क्योंकि लोकतंत्र में न तो नतीजों को लेकर कोई निश्‍चित हो सकता है और न ही कोई दावा कर सकता है कि परिणाम ऐसे या वैसे ही होंगे। कोई इतने पार या उतने पार का नारा दे रहा है तो वह लोगों को प्रभावित करने यानी अपने पक्ष में हवा बनाने की कोशिश कर रहा है। चार चरणों में भाजपा का जो हश्र होता हुआ दिखाई दे रहा है, उसके बाद तो इस बात को पक्के तौर पर मान लिया गया है कि इस पार-उस पार का नारा हवा-हवाई ही है।बहरहाल, विकल्प की बात न केवल देश का नेतृत्व करने के लिये चल पड़ी है बल्कि मोदी की पार्टी के भीतर भी इस लिहाज से हो रही है कि उनके बाद संगठन किसके बल पर चलेगी। मोदी के 10 वर्षों के कामकाज की गुणवत्ता को अगर एक ओर रख दें, तो भी इसमें कोई शक नहीं कि मोदी ने भाजपा को दो-दो शानदार जीतें दिलाई हैं- 2014 व 2019 मेंय तथा उसे बुलन्दियों तक पहुंचाया है। चुनिंदा अपवादों को छोड़कर अब तक किसी भी प्रधानमंत्री ने ऐसी कामयाबी नहीं दिलाई थी। मोदी चाहे पार्टी अध्यक्ष न हों, लेकिन वे ही एक तरह से सर्वेसर्वा रहे हैं। इसलिये यह मजेदार बात है कि अगर देश में उनके मुकाबले पीएम का चेहरा तलाशने वाले लोगों के विचारों को जानने की कोशिशें हो रही हैं, तो सर्वेक्षण एजेंसियां या विश्लेषक जानना चाहते हैं कि मोदी के बाद इस पद पर कितने लोग किसे देखना चाहते हैं। यह अलग बात है कि अब तक तो वे ही कमोवेश आगे चल रहे हैं। हालांकि कई बार कांग्रेस के राहुल गांधी भी प्रमुख पसंद बनते जा रहे हैं। ऐसे में यह सवाल उठ खड़ा होना बताता है कि देश को यह बात समझ में आ गई है कि ऐसी नौबत आ सकती है कि इस सर्वोच्च पद के लिये कोई और चेहरा ढूंढना पड़ सकता है। मोदी जी की संगठन पर पकड़ का यह आलम है कि इस बात की भी बहसें चल पड़ी हैं कि भाजपा को उनके बाद कौन सम्हालेगा। यदि यह सवाल खड़ा हो रहा है तो यह भी एक तरह से लोगों के सामने सम्भावना है कि देश को तथा संगठन को देर-सबेर इस सवाल से जूझना होगा। क्या ऐसा 4 जून के बाद होगा? लोकतंत्र में कुछ भी असम्भव नहीं हैय और लोकतंत्र को किसी एक व्यक्ति पर जाकर ठहरना भी नहीं चाहिये। जीवंत समाज और स्पंदित लोकतंत्र की यही निशानी होती है कि विकल्प की तलाश कभी खत्म नहीं होती और हर घड़ी बेहतर व्यक्ति, बेहतर संगठन, बेहतर सरकार तथा बेहतर व्यवस्था का विकल्प ढूंढा जाता है। यह एक सतत प्रक्रिया है। वैसे चार चरणों के मतदान के बाद अगर इस बात की चर्चा होने लगी है तो कहा जा सकता है कि कुछ अप्रत्याशित हो सकता है। वैसे भी कई लोग कथित रूप से चौंकाने वाले नतीजों का अनुमान व्यक्त कर रहे हैं। मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने अपने बल पर 370 तथा अपने गठबन्धन नेशनल डेमोक्रेटिक एलाएंस के बूते 400 से ज्यादा सीटें पाने का जो लक्ष्य रखा है, वह अगर मिल जाता है (जो कि मुमकिन नहीं बताया जा रहा) तब तो कोई बात नहीं, लेकिन ऐसा न होने पर कई तरह अनुमान लगाये जा रहे हैं। यदि त्रिशंकु लोकसभा बनती है तो मोदी के रहते और माइनस मोदी लाभ-हानि पर विचार होगा। बहुत सम्भव है कि मोदी के फिर से पीएम बनने की स्थिति में एनडीए के कुछ सहयोगी भाजपा को सरकार बनाने में मदद से इंकार कर दें। ऐसा होता है तो एनडीए का नेतृत्व कौन करेगा- केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी या राजनाथ सिंह या फिर कोई और? भाजपा के आंतरिक नेतृत्व की बात करें तो इस बाबत सवाल भारत में नहीं बल्कि विदेशों में भी उठने लगे हैं। अनेक देश यह जानने को उत्सुक हैं कि मोदी के बाद भाजपा का क्या होगा। भाजपा में बाहरी लोगों की दिलचस्पी का कारण यह हो सकता है कि उसकी ख्याति विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में है। साथ ही, उसकी दक्षिणपंथी विचारधारा के चलते लोगों की यह उत्सुकता रहनी स्वाभाविक है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के इस बेहद अहम चुनाव में किसकी जीत होती है- कट्टर विचारों की या उदारता की? भाजपा से राज्य सभा के सदस्य रहे स्वपन दासगुप्ता ने हाल ही में एक ट्विट कर बताया है कि उनके पास एक आस्ट्रेलियाई पत्रकार का फोन आया था जो उनसे मोदी के बाद की भाजपा विषय पर साक्षात्कार करना चाहता है। हालांकि दासगुप्ता ने इंटरव्यू देने से मना कर दिया लेकिन इससे ज्ञात होता है कि भारत के चुनावों में लोकतांत्रिक रूप से विकसित देशों की कितनी दिलचस्पी है। यह सवाल एक और तरीके से सामने आ गया है। शराब घोटाले के आरोप में तिहाड़ जेल की न्यायिक हिरासत से जमानत पर छूटे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने यह कहकर सभी को चौंका दिया है कि नरेन्द्र मोदी तीसरी बार सरकार अपने लिये नहीं बल्कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के लिये वोट मांग रहे हैं क्योंकि उन्हीं के बनाये नियम के अनुसार डेढ़ साल के बाद 75 वर्ष की आयु पूरी करने के बाद मोदी रिटायर होकर वैसे ही मार्गदर्शक मंडल में चले जायेंगे जिस प्रकार से लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, सुमित्रा महाजन, यशवंत सिन्हा आदि को भेज दिया गया है।श् हालांकि अमित शाह ने इस बात पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि श्पार्टी संविधान में ऐसा कोई नियम नहीं है। यह बात मोदी के लिये लागू नहीं होगी। इसका सीधा सा अर्थ यह है कि मोदी के पीएम पद तक पहुंचने का रास्ता बनाने के लिये इन बड़े नेताओं की बलि ली गई जिनका पार्टी के निर्माण से लेकर विकास में बड़ा योगदान था।अब तीन चरणों का मतदान शेष है। लोकसभा की 379 सीटों पर मतदान हो चुका है। अब बची 164 सीटें। कहा तो यहां तक जाता है कि भाजपा को जो नुकसान होना है वह इन चार चरणों में हो चुका है। जिन सीटों पर मतदान बचा है, उनमें भाजपा के लिये किसी बड़े चमत्कार की आशा नहीं रह गई है। हो चुके नुकसान की भरपाई भी अब असम्भव बतलाई जा रही है। इन 10 वर्षों के दौरान सारे चुनाव मोदी के चेहरे पर लड़े गये हैं तो उनके विकल्प की तलाश लाजिमी है।

दुर्योधन और दुशासनों के खिलाफ कृष्ण की भूमिका में हैं मोदी: योगी

मुख्यमंत्री ने उरई में एनडीए के संयुक्त प्रत्याशी भानु प्रसाद वर्मा के समर्थन में की जनसभा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को जालौन लोकसभा क्षेत्र के उरई में केंद्रीय मंत्री और भाजपा, अपना दल, राष्ट्रीय लोकदल, निषाद पार्टी, सोहेल देव राजभर पार्टी के संयुक्त प्रत्याशी भानु प्रसाद वर्मा के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री योगी ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेताओं पर जमकर प्रहार किया। आज सुबह सुबह ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का बयान सुन रहा था। उन्होंने कहा कि चुनाव में दो ध्रुवीकरण हो चुके हैं। खड़गे से कहना चाहता हूं कि देश का चुनाव ध्रुवीकरण के बीच नहीं, ये चुनाव तो रामभक्तों और राम द्रोहियों के बीच में हो रहा है। एक तरफ सभी रामद्रोही खड़े हैं, रामभक्तों पर गोली चलाने वाले खड़े हैं, देश के साथ गद्दारी करने वाले और पाकिस्तान का राग अलापने वाले खड़े हैं, उन दुर्योधन और दुशासनों के खिलाफ इस महाभारत में आज मोदी जी भारतीय जनता पार्टी का सारथी बनकर कृष्ण की भूमिका में खड़े हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा, रामद्रोही हमेशा पराजित हुआ है, पतन को प्राप्त हुए है। ये जो रामद्रोही हैं, ये केवल अपने परिवार के बारे में सोचते हैं। इनको न जाति की चिंता है, न प्रदेश की चिंता है और न देश की चिंता है, इन्हें न आपकी आस्था की चिंता है, न गरीब की चिंता है, न किसान की चिंता है, न महिलाओं की चिंता है न बेटियों की चिंता है। इनको सिर्फ परिवार की चिंता है। वहीं मोदी जी के लिए 140 करोड़ का भारत ही उनका परिवार है। योगी ने कहा कि हमारा जालौन डिस्ट्रिक्ट कालपी के कागज और जालौन के मटर के लिए विख्यात है। वन डिस्ट्रिक्ट और वन प्रोडक्ट के आधार पर यह दोनों चीजें आज वैश्विक मान्यता को प्राप्त कर रही हैं। जालौन बुंदेलखंड का प्रवेश द्वार है। आज से दस साल पहले इसकी स्थिति क्या थी। सपा, बसपा और कांग्रेस ने बुंदेलखंड को माफिया के हवाले कर दिया था। इन्होंने इस पूरे क्षेत्र के संसाधनों को लूटा खसोटा था। इस पूरे क्षेत्र को अराजकता की ओर धकेलने का काम किया था। यहां के विकास को बाधित किया था। जिसका दुष्परिणाम था कि नौजवान पलायन कर रहा था। किसान आत्महत्या कर रहा था। बेटी और व्यापारी सुरक्षित नहीं थे। आज दस वर्षों में हमारा बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के साथ फोर लेन की कनेक्टिविटी से जुड़ चुका है। हर घर जल की योजना जमीनी धरातल पर दिखाई दे रही है। डिफेंस कॉरिडोर में बनने वाली तोप जब भारत की सीमा पर गरजती है तो पाकिस्तानियों की पैंट गीली हो जाती है। हमारा हस्तशिल्पी जब आज काम करता है तो दुनिया में सम्मान प्राप्त करता है। अब तो बुंदेलखंड में औद्योगिक नगर बसाने जा रहे हैं। अब मेरे बुंदेलखंड के नौजवानों को यहां से बाहर पलायन करना नहीं पड़ेगा, बल्कि दुनिया आपके पास नौकरी मांगने आएगी। ये जो चमत्कार बुंदेलखंड में दिखाई दे रहा है यह मोदी का करिश्मा है। बुंदेलखंड में हाईवे बन रहे हैं, रेलवे की कनेक्टिविटी बेहतर हुई है, डिफेंस कॉरिडोर बन रहा है। आज बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे बुंदेलखंड के विकास की धुरी बन चुकी है। बुंदेलखंड के एक-एक उत्पाद को पहचान मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के समय में आतंकी विस्फोट होते थे, राम भक्तों पर गोली चलती थी। मोदी जी के नेतृत्व में बदलते हुए भारत को हमने देखा है। नया भारत देश को सम्मान दे रहा है, देश को सुरक्षा दे रहा है, आतंकवाद और नक्सलवाद की समस्या का समाधान कर रहा है। आज मोदी के शासन में पटाखा भी जोर से फट जाए तो पाकिस्तान सफाई देता है कि मेरा हाथ नहीं है, क्योंकि उसे पता है कि समय रहते सफाई नहीं दी तो भारत का बहादुर जवान पाकिस्तान में घुसकर उसकी ऐसी तैसी कर देगा। ये कांग्रेस के लोग धमकी देते हैं कि पाकिस्तान के पास एटम बम है तो हमारा एटम बम क्या फ्रिज में रखने के लिए है। भारत 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन दे रहा है तो पाकिस्तान में एक किलो गेहूं के लिए छीनाझपटी हो रही है। अयोध्या में हमारे रामलला विराजमान हो जाएं, जिसके लिए लाखों हिंदुओं ने अपना बलिदान दिया था, उस संकल्प की पूर्ति हमने कर दी है।

कबाड़ गोदाम में लगी आग,बोलेरो-पिकअप और बाइक जलकर खाक

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के आलमबाग में बुधवार भोर में आग लग गई। कबाड़ से भरे गोदाम में लगी आग ने आसपास की झुग्गी-झोपड़ियों को भी चपेट में ले लिया। लोग मौके से चिल्लाते हुए भागे और तत्काल फायर ब्रिगेड को आग लगने की सूचना दी गई। घटना में 1 बोलेरो गाड़ी, 1 पिकअप वैन और बाइक जलकर खाक हो गई है।सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की 3 गाड़ियों ने करीब 1 घंटे में आग पर काबू पा लिया। हादसे में किसी के झुलसने की सूचना नहीं है। आग का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।आलमबाग में बुधवार तड़के करीब 3 बजे आग लगी। हड्डी खेड़ा निवासी सीपू पुत्र गंगाराम के गोदाम में आग लगी। सूचना पर चौक एरिया से 2 और सरोजनी नगर फायर स्टेशन से 1 गाड़ी मौके पर रवाना की गई। अधिकारियों ने बताया कि करीब 1 घंटे की मशक्कत के बाद आसपास की झुग्गियों से आग बुझाई गई। किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।बुधवार को सुबह 9.55 बजे सूचना मिली कि हसनगंज के डालीगंज के पास आग लगी है। यह आग सेंट पावर अकादमी के चर्च के कमरे में लगी। चौक स्टेशन से 1 गाड़ी घटनास्थल के लिए भेजी गई। वहां पर कई फर्नीचर जल गए। फायर ब्रिगेड ने 30 मिनट के बाद आग पर कंट्रोल कर लिया।

1996 की तरह वर्ष 2024 में भी मेरे साथ हुआ षडयंत्र-टिकट कटने पर बोले बृजभूषण

प्रयाग दर्पण संवाददाता

गोण्डा। भाजपा से टिकट कटने के बाद सांसद बृजभूषण शरण सिंह का दर्द एक बार फिर छलका है। सांसद ने एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 1996 की तरह एक बार फिर से उनके साथ षड्यंत्र रचा गया। गोंडा से 600 किमी दूर बैठकर उनका राजनैतिक जीवन खत्म करने की साजिश रची जा रही है लेकिन साजिश रचने वाले सफल नहीं होंगे। होइहै वही जो राम रचि राखा। बोलते बोलते सांसद भावुक भी हो गए। फिर कहा कि वह पिछले डेढ़ साल से संकट का सामना कर रहे हैं लेकिन इसका जवाब आप सबको बेटे करन भूषण को विजयी बनाकर देना है। कैसरगंज से लगातार तीन बार सांसद रहे बृजभूषण शरण सिंह महिला पहलवानों की तरफ से लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे हैं। पुलिस की चार्जशीट के आधार पर कोर्ट ने उनपर मुकदमा चलाए जाने का पर्याप्त आधार माना है और उन पर आरोप तय कर दिए हैं।

इस मामले के बाद भारतीय जनता पार्टी ने इस बार कैसरगंज से बृजभूषण शरण सिंह का टिकट काटकर उनके बेटे करन भूषण सिंह को प्रत्याशी बनाया है। बृजभूषण शरण सिंह बेटे की जीत पक्की करने के लिए लगातार चुनाव प्रचार कर रहे हैं। कटरा बाजार विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित करते हुए सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने भावुक होकर कहा कि समय-समय पर उनके साथ खड़यंत्र होता रहता है। 1996 में खड़यंत्र हुआ था। तब मेरी पत्नी सांसद बनी थी। अब 2024 में खड़यंत्र हुआ है तो बेटा सांसद बनने जा रहा है। भावुक भाजपा सांसद ने मंच से कहा कि डेढ़ साल से उनका शरीर पत्थर हो चुका है, इतने वार हुए हैं इस शरीर के ऊपर। कि सोचता हूं कि बिना गलती के किस बात की सजा पा रहा हूं। सवा साल से मैं क्या झेल रहा हूं। तो देख रहा हूं कि 33 साल की उम्र में हम सांसद बने थे और 33 साल की उम्र में हमारा बेटा भी सांसद बनने जा रहा है। सांसद ने कहा कि 600 किमी दूर बैठकर उनका राजनैतिक जीवन खत्म करने की साजिश रची जा रही है, लेकिन साजिश रचने वाले सफल नहीं होंगे। होइहै वही जो राम रचि राखा।बेटे करन भूषण की चुनावी प्रचार के दौरान अल्पसंख्यक संवाद कार्यक्रम को संबोधित रहते हुए सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा मुस्लिम युवाओं से कहा कि मेरा आपका डीएनए एक ही है। इसलिए ऊसर में बीज मत बोएं। ऊसर में बीज बोने से फायदा नहीं है। इस संकटकाल में सभी एकजुट होकर मतदान करें और उनका सम्मान वापस दिलाने का काम करें।

चौरे बाजार में निकाला गया मतदाता जागरूकता अभियान

ब्यूरो चीफ अयोध्या/प्रयाग दर्पण

अयोध्या जिले के चौरेबाजार में चलाया गया मतदाता जागरूकता अभियान। हिंदू वाहिनी संघ के तत्वाधान में चौरेबाजार में चलाया गया मतदाता जागरूकता अभियान। देश में गिरते हुए मतदान के प्रतिशत को देखकर लग रहा है कि लोग मतदान में रुचि नहीं ले रहे हैं। जो की बहुत ही चिंताजनक है इसी को लेकर सामाजिक संगठन हिंदू वाहिनी संघ ने चलाया मतदाता जागरूकता अभियान जिसमे लोगो को 20 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया गया इस मौके पर हिंदू वाहिनी संघ प्रदेश अध्यक्ष बिनोद सिंह, जिला पंचायत सदस्य सुनील राजपूत, हिंदू वाहिनी संघ प्रदेश महासचिव राजन सिंह, जिला अध्यक्ष अनिल सिंह, गौ रक्षा प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष सरवन शर्मा, जिला सचिव संतोष दूबे, पंकज कुमार गुप्ता, पूर्व बीडीसी रमेश कुमार सिंह, पत्रकार हरि ओम सिंह, महेश सिंह आदि लोग मतदाता जागरूकता अभियान में सम्मिलित रहे।

3 बार शादी टाली, लड़की पक्ष ने किया केस

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बांदा। जिले में कभी मैरिज हॉल तो कभी हलवाई सही नहीं होने पर बेटे की परीक्षा का बहाना बनाकर तीन बार शादी की तारीख डाली गई। तीसरी बार शादी के लिए 10 मार्च तारीख से 2 दिन पहले लड़के वालों ने शादी के लिए मना कर दिया। लड़के वालों से परेशान होकर लड़की के भाई ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।आपको बता दें की पूरा मामला बिसंडा थाना क्षेत्र अंतर्गत का है। जहां के रहने वाले युवक ने तहरीर देते हुए बताया कि बहन की शादी कालू कुआं में बबेरू रोड स्थित विश्वा विहार कॉलोनी निवासी योगेंद्र उर्फ राजू के साथ नवंबर में तय की गई थी। इस साल 2 मार्च को शादी होनी थी, इसके बाद 27 नवंबर को लोहिया पुल के पास मैरिज हॉल बुक कराया था। अधिक दहेज की मांग के लिए तारीख से 2 दिन पहले लड़के वाले घर आए और बोले कि बेटे की परीक्षा है। इसके बाद शादी की तारीख आगे बढ़ाने की बात कही। साथ ही मैरिज हॉल पसंद ना होने की बात करते हुए बदलने के लिए कहा। इसके बाद लड़की वालों ने दूसरी तारीख 18 मार्च तय की। साथ ही मैरिज हॉल बदल दिया। लेकिन 10 मार्च को लड़के की मां और पिता घर आए। शादी की तारीख सही नहीं होने का बहाना बनाया। जब 10 पंडितों को बुलाकर तारीख निकलवाने का चौलेंज दिया तो दोनों लोग 4 तारीख पर शादी के लिए राजी हो गए लेकिन मैरिज हॉल को फिर से बदलने की बात करते हुए अधिक दहेज की मांग की। इस पर लड़के के पिता को लड़की वालों ने 10 हजार रुपए दिए। साथ ही अपनी पसंद का मैरिज हॉल बुक करने के लिए कहा। लेकिन कुछ दिन बाद लड़के के पक्ष के भाई और चाचा को घर बुलाया और अतिरिक्त दहेज की मांग की। हलवाई बदलने की बात भी कही। वहीं लड़की वालों ने जब इसका विरोध किया तो लड़के वालों ने शादी अस्वीकार कर दिया। इस पर भाई ने तैयारी और अन्य खर्चों का हर्जाना मांगा तो फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। जिसके बाद अब पीड़ित भाई ने पुलिस से मामले की शिकायत की है।

भारत-नेपाल सीमा पर 2 महिला तस्कर गिरफ्तार,जब्त की नेपाली शराब

बहराइच। बहराइच में भारत-नेपाल सीमा से सटे इलाकों में शराब की तस्करी में शामिल दो महिलाओं को एसएसबी के जवानों ने चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया है। नेपाल के रास्ते भारत आ रही महिलाओं के पास से नेपाली शराब बरामद हुई। जवानों ने शराब को जब्त कर दोनों महिलाओं को मोतीपुर पुलिस के हवाले कर दिया।भारत-नेपाल सीमा से सटे मोतीपुर थाना क्षेत्र में फूटहा बीओपी पर तैनात एसएसबी की 59वी वाहिनी के महिला व पुरुष जवान पेट्रोलिंग कर रहे थे। इसी दौरान पिलर 662द१ से पचास मीटर की दूरी दो महिलाएं नेपाल की तरफसे सिर पर बोरी रखकर आती दिखाई पड़ी। महिला जवानों के रोकने पर वो भागने लगी जिसके बाद उन्हें दौड़ कर पकड़ लिया गया। तलाशी में उनके पास से 166 शीशी नेपाली शराब बरामद हुई। कमांडेंट कैलाश चंद्र ने बताया कि चेकिंग के दौरान नेपाली शराब के साथ दो महिलाओं को पकड़ा गया है। इनकी पहचान अनीता और अनारकली निवासी डीला थाना मोतीपुर के रूप में हुई है। इनके पास से बरामद शराब को जब्त कर दोनों को मोतीपुर पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

खंभे से टकराकर माइनर में गिरी बाइक, युवक की मौत

उरई/जालौन। घर लौट रहे युवक की बाइक अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकराने के बाद माइनर में गिर पड़ी, जिससे पानी में डूबने से युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को जानकारी देते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। युवक की मौत की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।एट थाना क्षेत्र के पिरौना गांव निवासी इंद्रजीत उर्फ चंटे (25) मंगलवार शाम को बाइक से घर लौट रहा था। जैसे ही वह हमीरपुर शाख से निकले माइनर के पास पहुंचा तभी बाइक अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकरा गई। जिससे युवक बाइक समेत माइनर में जा गिरा। पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई। लोगों ने पानी में शव पड़ा देख इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने परिजनों को जानकारी देते हुए शव को शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष अजय कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच पड़ताल की जा रही है।

लखनऊ में 39 केंद्रों पर सीयूईटी-यूजी परीक्षा,हल्के रंग और आधे बांह के कपड़े पहनकर पहुंचे छात्र

लखनऊ। लखनऊ के 39 केंद्रों पर कॉमन यूनिवर्सिटी इंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी-यूजी) परीक्षा शुरू हुई। सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक कुल 4 स्लॉट में परीक्षा संपन्न हुई। नियमानुसार इस बार परीक्षार्थी हल्के रंग और आधे बांह के कपड़े पहनकर एग्जाम सेंटर पहुंचे। एग्जाम देने पहुंची निशा वर्मा ने बताया पेपर बहुत हार्ड नहीं था, लेकिन कुछ प्रश्नों के जवाब नहीं आ रहे थे। समय सीमित था तो जल्दी ही सभी सवालों का जवाब भी देना पड़ा। ओवरऑल पेपर ठीक कहा जा सकता है। परीक्षा केंद्र के बाहर सख्ती जरूर थी, लेकिन कोई परेशानी नहीं हुई। सुनील कहते हैं कि उनके लिए पेपर मॉडरेट रहा। जिस हिसाब से हमने पढ़ाई की थी, वैसा ही पेपर आया। केमिस्ट्री में सॉल्यूशन पर बेस कुछ सवाल थे, उनके सही जवाब दे दिए। इटावा से आए ध्रुव बताते हैं कि उनका पेपर बहुत अच्छा हुआ है। यूपी के कुल 60 जिलों में इस परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। प्रदेश के करीब 2.5 लाख स्टूडेंट्स इस परीक्षा में शामिल होंगे। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (नीट) परीक्षा का आयोजन कर रही है। पहले 4 दिनों तक यानी 18 मई तक ऑफलाइन मोड पर परीक्षा का आयोजन होगा। इसके बाद 3 दिन ऑनलाइन माध्यम से परीक्षा होगी। इसके लिए 21, 22 और 24 मई की तारीख तय की गई है।

फ्री राशन मोदी जी अपनी जेब से नहीं दे रहे, इस सरकार में महंगाई-बेरोजगारी बढ़ी: मायावती

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बांदा। जनपद के अतर्रा हिंदू इंटर कॉलेज ग्राउंड में बसपा सुप्रीमो मायावती ने जनसभा की। बसपाइयों ने चांदी का मुकुट देकर उनका स्वागत किया। मायावती ने कहा, हमारी पार्टी कांग्रेस, बीजेपी या अन्य पार्टियों के साथ मिलकर नहीं बल्कि अकेले लड़ रही है। हमने टिकट बंटवारे में सर्वसमाज को मौका दिया है। आजादी के बाद कांग्रेस के पास सत्ता रही है। भ्रष्टाचार व गलत नीतियों की वजह से कांग्रेस सत्ता से बाहर हुई है। बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा, बीजेपी ने देश के गरीब मजदूरों को अच्छे दिन के वादे किए हैं, लेकिन जमीनी स्तर में सब फेल है। बीजेपी ने पूंजीपतियों को मालामाल किया है। इन्हें बचाया है। बीजेपी सरकार में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ी है। बीजेपी मीडिया का उपयोग कर रही है। वहीं केंद्र द्वारा देश में गरीब परिवारों को राशन दिया जा रहा है, उससे भला नहीं होने वाला है, जो भी राशन दिया जा रहा है वो बीजेपी या नरेंद्र मोदी जेब से नहीं दे रहे, बल्कि जनता के टैक्स का पैसा है। कांग्रेस की तरह बीजेपी ने भी जांच एजेंसी का राजनैतिक इस्तेमाल किया है। ब्राह्मण समाज के लिए कहा, सपा और बीजेपी में ब्राह्मणों का शोषण व उत्पीड़न हुआ है।

हमारी सरकार में ब्राह्मणों के साथ अन्याय नहीं हुआ है। मायावती ने हर, चंदे के संबंध में सुप्रीम कोर्ट और मीडिया से पता चला है कि बीएसपी को छोड़ कर सभी पार्टियों ने पूंजीपतियों से धन लिया गया है। बीएसपी ने किसी पूंजीपति से एक रुपए नहीं लिया है। हमने अपनी सत्ता में ध्यान दिया है आरक्षण का कोटा अभी नहीं भरा गया है। सपा की सरकार में एससी एसटी के सरकारी पदों के आरक्षण को खत्म कर दिया। कहा, यदि चुनाव फेयर होता है तो हम ही जीतेंगे। बुंदेलखंड राज्य बनाने का वादा किया।

भीम आर्मी के कार्यकर्ता पर धारदार हथियार से हमला

बहराइच। हुजूरपुर इलाके में एक दलित युवक पर निमंत्रण में जाते वक्त घात लगाए बैठे हमलावरों ने लाठी डंडों व धारदार हथियार से हमला कर दिया। युवक को मृत समझ हमलावर मौके से फरार हो गए। रास्ते से जा रहे ग्रामीणों ने युवक को घायल देख परिजनों को सूचना दी। जानकारी पर पहुंचे परिजन उसे लेकर स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। जहां पर हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। हुजुरपुर थाने के भूपानी गांव के खालेपुरवा निवासी 25 वर्षीय संदीप पासवान पुत्र पारस ई रिक्शा चलाकर परिवार की आजीविका चलाता है। वह भीम आर्मी का सक्रिय सदस्य है। मंगलवार रात मे वह टेपरा गांव से आए भोज के निमंत्रण मे शामिल होने को जा रहे थे। गांव से लगभग पांच सौ मीटर आगे उंचेपुरवा के पास गाड़ाबंदी किए हमलावरों ने उस पर ताबड़तोड़ लाठी डंडे बरसाए।

पत्थरों पर घूमते समय एक युवक का फिसला पैर, नदी में गिरा, बचाने में चार अन्य भी डूबे, पांचों की मौत

उरई/जालौन। कोटरा थानाक्षेत्र अन्तर्गत चर्चित पिकनिक स्थल सला घाट पर सोमवार को दिन में तीन बजे गांव वालों को दो स्कूटी और पांच जोड़ी जूता चप्पल और कुछ कपड़े रखे हुए दिखाई दिए। लेकिन जब काफी देर तक उक्त लोगों को कोई वापस दिखाई नही दिया तब प्रत्यक्षदर्शियों का माथा ठनका और उन्होंने थाना कोटरा को सूचना दी जिस पर एसएसआई गोकुल सिंह फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे जहां आनन फानन में स्थानीय गोताखोरों की मदद से नदी में युवकों की खोज शुरू की गई। वहीं प्रशासन की खबर पर सोमवार की शाम पुलिस के अधिकारियों ने एनडीआरएफ की मदद ली, एनडीआरएफ टीम शाम लगभग सात बजे घटनास्थल पर पहुंची, रात में अंधेरे की वजह से युवकों के खोज का कार्य धीमा चला, सुबह होते ही एनडीआरएफ ने युवकों के खोज का अभियान तेज कर दिया, आज दोपहर 12 बजे खोजी टीम को पहली सफलता मिली और दो युवकों के शव नदी से बाहर निकाले। इसके बाद एनडीआरएफ की टीम ने युवकों के खोजने का सिलसिला जारी रक्खा, शाम होते होते एन डी आर एफ टीम ने पांचों युवकों के शव नदी से बाहर निकाल लिए हैं। जानकारी के अनुसार हेमंत, उमेश, कनिष्क, अनुभव निवासी उरई व एक अन्य पिकनिक के उद्देश्य से सलाघाट पर गए थे। जहां पत्थरों पर घूमते समय एक युवक का पैर फिसल गया और वह नदी में गिर गया जिसको बचाने के लिए अन्य साथी कपड़े जूते उतार कर नदी में कूदते गए, और डूबते गए। गोताखोरों ने शव बरामद कर लिए है और पुलिस ने सभी शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, सूचना पर पहुंचे मृत युवकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं मौके पर सैकड़ों लोगो की जुटी भीड़। ये सभी युवक 17-18 वर्षीय थे। बताते चलें कि इस घाट पर अभी तक कम से कम बीस लोगों की नदी में डूबने के कारण मौतें हो चुकी हैं।

प्राइमरी स्कूलों की प्रार्थना सभा में शिक्षकों की उपस्थिति जरूरी

लखनऊ। यूपी में प्राइमरी स्कूलों में प्रधानाध्यापक समेत सभी शिक्षक प्रार्थना सभा में अनिवार्य रूप से मौजूद रहें। अवकाश को छोड़ प्रतिदिन इसका प्रमाण भी देना होगा। प्रधानाध्यापकों को सभी शिक्षकों का प्रार्थना स्थल सहित एक फोटो खींचकर प्रार्थना खत्म होते ही खंड शिक्षाधिकारी को भेजनी होगी। अपने टैबलेट में भी सुरक्षित रखनी होगी। यह व्यवस्था मंगलवार को वर्ष 2024-25 के लिए जारी नए शैक्षिक कैलेंडर में की गई है। स्कूल शिक्षा महानिदेशक कंचन वर्मा ने इस संबंध में कैलेंडर जारी किये हैं। बेसिक शिक्षा अधिकारियों व डायट प्राचार्यों को भी निर्देश भेज दिया है। नए कैलेंडर के अनुसार कक्षा एक से आठ तक छात्रों का सतत मूल्यांकन किया जाएगा। शैक्षिक सत्र में दो टर्म परीक्षाएं होंगी। ये परीक्षाएं अगस्त और दिसम्बर में होंगी। अक्तूबर में अर्द्ध वार्षिक परीक्षाएं होंगी। वार्षिक परीक्षाएं मार्च में होंगी।

पूर्वविधायक दिलीप वर्मा पत्नी संग भाजपा में शामिल

बहराइच। बहराइच की महसी विधानसभा से तीन बार विधायक रहे दिलीप वर्मा ने साइकिल की सवारी छोड़ पत्नी संग भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली है। इनकी पत्नी माधुरी वर्मा एक बार विधान परिषद की सदस्य और नानपारा विधानसभा से कांग्रेस और भाजपा के टिकट पर दो बार विधायक रही हैं। दिलीप वर्मा महसी विधानसभा से समाजवादी पार्टी से तीन बार विधायक रहे, लेकिन जब सपा के दिवंगत नेता बेनी प्रसाद वर्मा ने अपनी पार्टी बनाई तो ये उनके साथ हो लिए।

पंचम चरण: देश की 49 और यूपी की 14 सीटों पर चुनाव,20 को मतदान

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। लोकसभा चुनाव 2024 के 5वें फेज में देशभर में 8 राज्यों की 49 सीटों पर वोटिंग होगी।उत्तर प्रदेश में 14 लोकसभा सीटों पर वोटिंग होगी।इस चरण के लिए 20 मई को वोट डाले जाएंगे।इस फेज में 144 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला होगा। पांचवे चरण में यूपी की अवध और बुंदेलखंड के इलाकों की सीटों पर वोटिंग होगी। यूपी में पांचवे चरण में जिन 14 सीटों पर वोटिंग होनी है उनमें से रायबरेली को छोड़ सभी बीजेपी के कब्जे में हैं। विपक्ष के पास कुछ खोने का नही पाने का अवसर है 20 तारीख लेकिन बीजेपी के सामने सीटे बचाने का प्रश्न है। इस चरण में राहुल गांधी और राजनाथ सिंह जैसे दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर होगी।लखनऊ की मोहनलालगंज लोकसभा सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। बीजेपी ने मौजूदा सांसद कौशल किशोर को मैदान में उतारा है। कौशल किशोर के पास जीत की हैट्रिक बनाने का मौका है।समाजवादी पार्टी ने आरके चौधरी को उम्मीदवार बनाया है,जबकि बहुजन समाज पार्टी ने राजेश कुमार उर्फ मनोज प्रधान को मैदान में उतारा है।इस सीट पर समाजवादी पार्टी ने 1998 से लगातार 4 बार जीत दर्ज की थी।वहीं लखनऊ लोकसभा सीट से बीजेपी ने रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को मैदान में उतारा है। राजनाथ सिंह के पास जीत की हैट्रिक लगाने का मौका है। इंडिया गठबंधन की तरफ से समाजवादी पार्टी ने रविदास मेहरोत्रा को उम्मीदवार बनाया है। मेहरोत्रा वर्तमान में विधायक हैं।बहुजन समाज पार्टी ने सरवर अली को उम्मीदवार बनाया है।इस सीट से विजया लक्ष्मी पंडित से लेकर पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी तक सांसद रह चुके हैं।उधर रायबरेली सीट से कांग्रेस ने राहुल गांधी को उम्मीदवार बनाया है। बीजेपी ने इस सीट से दिनेश प्रताप सिंह को मैदान में उतारा है।दिनेश प्रताप सिंह योगी सरकार में मंत्री हैं। पिछले चुनाव में दिनेश प्रताप सिंह को सोनिया गांधी ने हराया था लेकिन एक बार फिर बीजेपी ने उनपर भरोसा जताया है।बहुजन समाज पार्टी ने ठाकुर प्रसाद यादव को मैदान में उतारा है। अमेठी लोकसभा सीट से बीजेपी ने मौजूदा सांसद स्मृति ईरानी को उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस ने इस बार उम्मीदवार बदल दिया है। कांग्रेस ने केएल शर्मा को मैदान में उतारा है। पिछली बार कांग्रेस के टिकट पर राहुल गांधी चुनाव लड़ रहे थे।बहुजन समाज पार्टी ने रविप्रकाश मौर्य को उम्मीदवार बनाया है। झांसी सीट से बीजेपी ने मौजूदा सांसद अनुराग शर्मा को मैदान में उतारा है। इंडिया गठबंधन की तरफ से कांग्रेस ने प्रदीप जैन आदित्य को उम्मीदवार बनाया है।बहुजन समाज पार्टी ने इस सीट से एडवोकेट राकेश कुशवाहा को मैदान में उतारा है।जालौन सीट से बीजेपी ने मौजूदा सांसद भानु प्रताप सिंह वर्मा को मैदान में उतारा है।भानु प्रताप सिंह के पास जीत की हैट्रिक लगाने का मौका है। समाजवादी पार्टी ने नारायण दास अहिरवार को उम्मीदवार बनाया है।हमीरपुर लोकसभा सीट से बीजेपी ने मौजूदा सांसद पुष्पेंद्र चंदेल को उम्मीदवार बनाया है। पुष्पेंद्र पिछले 10 साल से सांसद हैं. इस सीट पर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के गठबंधन ने अजेंद्र सिंह राजपूत को उम्मीदवार बनाया है। बहुजन समाज पार्टी के निर्दोष दीक्षित को मैदान में उतारा है।बांदा सीट से बीजेपी ने मौजूदा सांसद आरके सिंह पटेल को उम्मीदवार बनाया तो समाजवादी पार्टी ने शिवशंकर सिंह पटेल को मैदान में उतारा है। बहुजन समाज पार्टी ने मयंक द्विवेदी को उम्मीदवार बनाया है।बीजेपी ने मौजूदा सांसद और केंद्रीय मंत्री निरंजन ज्योति को फतेहपुर लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाया है निरंजन ज्योति के पास जीत की हैट्रिक लगाने का मौका है। इंडिया गठबंधन की तरफ से समाजवादी पार्टी ने नरेश उत्तम पटेल को मैदान में उतारा है।बीएसपी ने डॉ. मनीष सचान पर भरोसा जताया है।यूपी के कौशांबी लोकसभा सीट से बीजपी ने मौजूदा सांसद विनोद सोनकर को उम्मीदवार बनाया है। विनोद सोनकर 10 साल से सांसद हैं। समाजवादी पार्टी ने पुष्पेंद्र सरोज को मैदान में उतारा है और बहुजन समाज पार्टी ने शुभ नारायण को उम्मीदवार बनाया है। बाराबंकी लोकसभा सीट अनुसूचित जाति के लिए रिजर्व है ।इस सीट पर बीजेपी का पिछले 10 साल से कब्जा है।इस सीट पर बीजेपी ने इस बार अपने मौजूदा सांसद का टिकट काट दिया है।बीजेपी ने उपेंद्र सिंह रावत की जगह राजरानी रावत को मैदान में उतारा है। इंडिया गठबंधन की तरफसे कांग्रेस ने तनुज पुनिया को उम्मीदवार बनाया है। बीएसपी ने शिव कुमार दोहरे को मैदान में उतारा है।फैजाबाद लोकसभा सीट पर पिछले 10 साल से बीजेपी का कब्जा है। बीजेपी के लल्लू सिंह सांसद हैं।

तालाब में कूद गया युवक, शव बरामद

बहराइच। मोतीपुर गांव निवासी एक युवक मंगलवार को बैबाही तालाब में ओमः नमः शिवाय कहते हुए हाथ जोड़कर कूद गया था। काफी खोजबीन के बाद रात एक बजे युवक का शव तालाब से बरामद हुआ। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मोतीपुर थाना क्षेत्र के मोतीपुर गांव निवासी दौलत यादव (38) अपने जीजा खैरीघाट थाना क्षेत्र के अरनवा गांव निवासी कृष्ण गोपाल यादव के यहां बने मंदिर में रहता था। मंगलवार शाम को अचानक वह जीजा के घर से बाहर निकाला और बैबाही पुल से तालाब में छलांग लगा दी। आसपास के लोगों ने दौलत के जीजा कृष्ण गोपाल को सूचना दी। वह मौके पर पहुंचे और खैरीघाट थाने की पुलिस को घटना से अवगत कराया। क्षेत्र के गोताखोर तालाब में उतरे, लेकिन अधिक गहराव और मगरमच्छ के होने के चलते उसकी तलाश नहीं हो सकी। उधर रात एक बजे युवक का शव तालाब से से बरामद हुआ। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रभारी निरीक्षक एसके सिंह ने बताया कि चौकी इंचार्ज यतींद्र सिंह मौके पर पहुंचे।

एलडीए 14 अपार्टमेंट में बनाएगा मॉडल मतदान केन्द्र,सेल्फी प्वाइंट पर मतदाता ले सकेंगे तस्वीरें

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण इस बार शहर के 14 अपार्टमेंट्स में मॉडल मतदान केन्द्र बनाने जा रहा है। इन जगहों पर मतदाताओं के स्वागत के लिए रेड कार्पेट बिछाया जाएगा, बल्कि उनके बैठने के लिए सोफे-कुर्सियां, पीने के लिए साफ पानी के साथ बटर मिल्क (मट्ठा) की भी व्यवस्था रहेगी। इन मॉडल केन्द्रों पर आकर्षक सेल्फी प्वाइंट भी बनाए जाएंगे, जहां लोग वोट डालने के बाद अपनी तस्वीरें ले सकेंगे। उपाध्यक्ष डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने मॉडल मतदान केंद्र की तैयारियों को लेकर अधिकारियों व निजी विकासकर्ताओं के साथ एक अहम बैठक की। इसमें उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक मतदान केन्द्र का एक बार दोबारा सर्वे करा लिया जाए, जिसके आधार पर वहां टेंट, कुर्सी-सोफा, पंखे-कूलर आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी। उपाध्यक्ष ने कहा कि मतदाताओं को धूप से बचाने के लिए टेंट का शेड अनिवार्य रूप से लगाया जाएगा। उपाध्यक्ष ने मॉडल पोलिंग स्टेशन की साज-सज्जा कराने के संबंध में निर्देशित किया कि केन्द्रों पर आकर्षक प्रवेश द्वार बनाए जाएं। जिनमें रंग-बिरंगे गुब्बारों की सजावट के साथ ही फूलदार गमले लगवाए जाएंगे।

इसके साथ ही प्रत्येक मतदान केन्द्र पर आकर्षक सेल्फी प्वाइंट बनाए जाएंगे, जहां लोग अपने परिवार के साथ तस्वीरें ले सकेंगे। उपाध्यक्ष ने निर्देशित किया कि प्रत्येक मतदान केन्द्र पर बुजुर्गों, दिव्यांगजनों व गर्भवती महिलाओं आदि के लिए व्हील चेयर की व्यवस्था अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करनी होगी। जिसके लिए विभिन्न निजी अस्पताल के प्रबंधकों के साथ समन्वय स्थापित करके मतदान से एक दिन पहले ही पर्याप्त संख्या में व्हील चेयर उपलब्ध करा ली जाएंगी। बैठक के दौरान लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को लेकर शहरी क्षेत्र के मतदाताओं को अधिक से अधिक संख्या में मतदान के लिए जागरूक करने पर चर्चा की गई। जिसमें उपाध्यक्ष डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने निजी विकासकर्ताओं को निर्देशित किया है। 40 पर्दे वाले बूथ बनाए जाएंगे। इन बूथों पर नकाब व घूंघट में आने वाली महिलाओं के परिचय पत्र से उनकी पहचान की जाएगी। इसके बाद ही मतदान की अनुमति मिलेगी। नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक चुनाव आयोग ने पर्दे वाले बूथ बनाने की मंजूरी दे दी है। इसी वजह से कुछ पोलिंग स्टेशन को इसके लिए चिह्नित किया गया है। इन पोलिंग स्टेशन में एक अलग स्थान होगा, जो पर्दे से बना होगा। जिसमें मौजूद महिला कर्मी पर्दे में आने वाली महिलाओं के पहचान पत्र से उनकी पहचान करेंगी। सहारा सिटी होम, एल्डिको सिटी, परिजात अपार्टमेंट, ओमेक्स हाइट, एल्डिको एलिगेंस, सरयु अपार्टमेंट, ओमेगा ग्रीन पार्क, स्प्रिंग ग्रीन्स अपार्टमेंट, आकाश एंक्लेव, सनराइज अपार्टमेंट, सरयु एनक्लेव, भागीरथी एनक्लेव, स्मृति अपार्टमेंट, सीएसआई टॉवर को मॉडल मतदान केन्द्र बनाया जाएगा।

रिटायर्ड मेजर जनरल 47 मिनट तक डिजिटल अरेस्ट

पार्सल में ड्रग्स-मनी लॉन्ड्रिंग का डर दिखाकर 37.68 लाख ऐंठे

प्रयाग दर्पण संवाददाता

नोएडा। नोएडा में लाखों की ठगी का बड़ा मामला सामने आया है। पार्सल में ड्रग्स और कई पासपोर्ट की बात कहकर जालसाज ने सेवानिवृत्त मेजर जनरल के साथ 37.68 लाख रुपए की ठगी कर ली। पीड़ित ने मामले की शिकायत साइबर क्राइम थाने में की है। पुलिस ने अज्ञात जालसाज के खिलाफ धोखाधड़ी और आईटी एक्ट की धाराओं में केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि करीब 47 मिनट तक पीड़ित को जालसाज ने डिजिटल अरेस्ट करके रखा था। साइबर क्राइम थाने में दी शिकायत में ग्रेटर नोएडा निवासी सेवानिवृत्त मेजर जनरल अमरजीत सिंह ने बताया कि रविवार को शाम साढ़े चार बजे के करीब उनके मोबाइल पर अनजान नंबर से कॉल आई। कॉलर ने कहा कि वह मुंबई से बोल रहा है और शिकायतकर्ता के नाम पर चार मई को एक कोरियर आया है। जिसमें 200 ग्राम ड्रग्स और पांच पासपोर्ट समेत अन्य सामान है। उसने पार्सल में तीन क्रेडिट कार्ड और कपड़े होने की भी बात कही। जालसाज ने कहा कि कोरियर भेजने के लिए पीड़ित की आधार आईडी का प्रयोग किया गया है। उसने आधार से जुड़ा मोबाइल नंबर भी बताया। जिसके बाद पीड़ित को विश्वास हो गया। पीड़ित ने कॉलर से कहा कि उनका इस कोरियर से कोई लेना-देना नहीं है। इसके बाद उसने कॉल को साइबर क्राइम सेल में स्थानांतरित कर दी। मामला ड्रग्स तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट का बताकर पीड़ित को भयभीत कर दिया गया। साइबर ठगों ने एक राजनेता के बारे में शिकायतकर्ता को बताया कि वह मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में जेल में हैं। उन्होंने एक फर्जी एफआईआर भी दिखाई। ठगों ने जांच करने के लिए उन्हें मुंबई बुलाया। जालसाज के कहने पर पीड़ित ने दबाव में आकर दो बार में 37,68,510 रुपए की रकम ट्रांसफर कर दी। कॉल 37 मिनट 45 सेकेंड तक जारी रही।

इस दौरान जालसाज ने पीड़ित को कॉल छोड़कर बाहर नहीं जाने दिया। जालसाज ने जब पीड़ित पर और पैसे भेजने का दबाव बनाया, तो उसे ठगी की आशंका हुई। पैसे वापस मांगने पर जालसाज ने पीड़ित से संपर्क तोड़ दिया। साइबर क्राइम थाने के प्रभारी ने बताया कि नाइजीरियन गिरोह द्वारा ठगी की वारदात को अंजाम देने की आशंका जताई जा रही है। बीते कई माह से सुस्त पड़े नाइजीरियन गिरोह के जालसाज फिर से एक्टिव हो गए हैं और लगातार ठगी की वारदात को अंजाम दे रहे हैं। बीते दिनों जालसाज ने एक बुजुर्ग महिला डॉक्टर को डिजिटल अरेस्ट कर उनके साथ 45 लाख रुपए की ठगी की थी।

हाईकोर्ट ने प्रमुख सचिव गृह पर लगाया 30 हजार हर्जाना, गलत तरीके से गुंडा एक्ट लगाने पर कोर्ट सख्त

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पारिवारिक विवादों के दर्ज अपराधिक मामले के आधार पर गुंडा एक्ट के तहत कार्यवाही करने पर प्रमुख सचिव गृह पर तीस हजार रुपये जुर्माना लगाया है। मामला फिरोजाबाद जिले से जुड़ा है। याची के खिलाफ दो मुकदमे और एक बीट रिपोर्ट दर्ज है। जिसमें संपत्ति विवाद को लेकर एक क्रास केस के अलावा दूसरा केस व्यावसायिक लेनदेन लेकर दर्ज किया गया था। तीसरी पुलिस की बीट रिपोर्ट है। कोर्ट ने कहा कि लोकशांति के लिए खतरा बन चुके आदतन अपराधियों के खिलाफ गुंडा एक्ट की कार्रवाई की जाती है। गलत तरीके से गुंडा एक्ट की कार्रवाई करने पर कोर्ट ने प्रमुख सचिव के खिलाफ जुर्माने की कार्रवाई की।

चलती कार में हार्ट अटैक आने से फार्मासिस्ट की मौत, खुद ही चला रहे थे गाड़ी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। हंडिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात फार्मासिस्ट की चलती कार में हार्ट अटैक आने से मौत हो गई। वह घर से अस्पताल के लिए अपनी कार से निकले थे। वह कार को खुद ही चला रहे थे। घर से कुछ ही दूरी पर संभवतः उन्हें अटैक आ गया। घबराहट में उन्होंने कार को सड़क के किनारे लगा दिया। इसी दौरान उनकी सांसें थम गईं। राहगीरों की सूचना पर जब तक पुलिस पहुंची उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की जानकारी परिजनों को दी गई है।फार्मासिस्ट प्रमोद यादव (50) उपरदहां स्थित हंडिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात थे। वह झूंसी थाना क्षेत्र के मुंशी का पूरा गांव में किराए के मकान में रहते थे। वह अपनी कार से ही रोज अस्पताल जाते थे। बुधवार को भी वह घर से अस्पताल के लिए निकले थे। घर से कुछ दूर झूंसी-सोनौटी मार्ग पर साढ़े नौ बजे पहुंचे थे कि उनको अटैक आ गया। घबराहट में उन्होंने कार को सड़क के किनारे खड़ा कर दिया।वह ड्राइविंग सीट पर लुढ़के थे और कार में अकेले ही थे। काफी देर तक उनको ड्राइविंग सीट पर बेहाल देख लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। करीब 12 बजे पुलिस पहुंची तो उनकी मौत हो चुकी थी। जेब से मिले परिचय पत्र के आधार पर उनके फार्मासिस्ट होने की जानकारी हुई। घटना की जानकारी पुलिस ने परिजनों को फोन पर दे दी।

संक्षिप्त समाचार

जनसुनवाई कर फरियादियों की सुनी शिकायतें

प्रयागराज। दिनांक-15.05.2024 को पुलिस उपायुक्त गंगानगर द्वारा पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर फरियादियों की शिकायतें सुनी गई तथा निस्तारण हेतु सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ।

पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई

प्रयागराज। पुलिस उपायुक्त नगर, कमिश्नरेट प्रयागराज द्वारा पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर फरियादियों की शिकायतें सुनी गयीं तथा निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

थाना हण्डिया पुलिस द्वारा 01 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से 01अवैध चाकू बरामद

प्रयागराज। थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा दिनांक-15.05.2024 को अभियुक्त सोनू पुत्र कमलेश निवासी ग्राम अंजना थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत असवाँ दाऊदपुर स्थित कोल्ड स्टोर के पास से 01 अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार किया गया । उक्त गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर थाना हण्डिया पर मु0अ0सं0-244/2024 धारा-4/25 आयुध अधिनियम पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी । गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-सोनू पुत्र कमलेश निवासी ग्राम अंजना थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 27 वर्ष ।पंजीकृत अभियोग का विवरण-मु0अ0सं0-244/2024 धारा-4/25 आयुध अधिनियम थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज । बरामदगी का विवरण-01 अवैध चाकू।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम- 1. प्र0नि0 बृजकिशोर गौतम, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज । 2. उ0नि0 सुमित आनंद, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज । 3. का0 अनिल यादव, थाना हण्डिया कमि0 प्रयागराज ।

थाना सोरांव पुलिस टीम द्वारा 01 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज।थाना सोरांव पर पंजीकृत मु0अ0सं0-533/23 धारा-147/148/323/324/326/506 भा0द0सं0 से सम्बन्धित 01 वांछित अभियुक्त विरेन्द्र कुमार उर्फ मान सिंह पुत्र प्यारे लाल निवासी ग्राम शेखपुर सराय भारत थाना सोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना सोरांव पुलिस टीम द्वारा दिनांक-15.05.2024 को थाना सोरांव क्षेत्रान्तर्गत ग्राम शेखपुर सराय भारत के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी । गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-विरेन्द्र कुमार उर्फ मान सिंह पुत्र प्यारे लाल निवासी ग्राम शेखपुर सराय भारत थाना सोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 38 वर्ष ।सम्बन्धित अभियोग का विवरण-मु0अ0सं0-533/23 धारा-147/148/323/324/326/506 भा0द0सं0 थाना सोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज ।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम-1. उ0नि0 कुवर भान चन्द, थाना सोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज ।2. का0 मनीष त्रिपाठी, थाना सोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज ।3. का0 प्रमोद यादव, थान सोरांव कमि0 प्रयागराज ।

दहेज हत्या के अभियोग का 01 वांछित अभियुक्त थाना खीरी पुलिस द्वारा गिरफ्तार

प्रयागराज।थाना खीरी में पंजीकृत मु0अ0सं0-13/24 धारा 498/304कभा0द0वि0 व 3/4 डी0पी0 एक्ट का वांछित अभियुक्त संदीप कुमार मौर्या पुत्र ईश्वर प्रसाद निवासी ग्राम दसौती थाना खीरी जनपद प्रयागराज को दिनांक 15.05.2024 को कस्बा खीरी थाना क्षेत्र खीरी से गिरफ्तार किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-संदीप कुमार मौर्या पुत्र ईश्वर प्रसाद निवासी ग्राम दसौती थाना खीरी जनपद प्रयागराज, उम्र करीब 24 वर्ष ।संबंधित अभियोग का विवरण-मु0अ0सं0-13/24 धारा 498A/304B/316 भा0द0वि0 व 3/4 डी0पी0 एक्ट थाना खीरी कमिश्नरेट प्रयागराज ।पुलिस टीम का विवरण-1.उ0नि0 अशोक कुमार सिंह थाना खीरी कमिश्नरेट प्रयागराज ।2.का0 विकास यादव थाना खीरी कमिश्नरेट प्रयागराज।

थाना लालापुर पुलिस द्वारा 01 अभियुक्ता गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना लालापुर पुलिस द्वारा अभियुक्ता राजकुमारी कोल पत्नी राजकुमार उर्फ कल्लू कोल निवासी-ग्राम गोल्हैया थाना लालापुर जनपद प्रयागराज को मुखबिर की सूचना पर दिनांक 14.05.2024 को गोल्हैया प्राइमरी स्कूल के पास ग्राम गोल्हैया थाना क्षेत्र लालापुर से गिरफ्तार किया गया । कब्जे से 15 लीटर अवैध कच्ची देशी शराब बरामद किया गया । उक्त गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0-34/2024 धारा 60 आबकारी अधिनियम पंजीकृत किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार अभियुक्ता का विवरण- राजकुमारी कोल पत्नी राजकुमार उर्फ कल्लू कोल निवासी-ग्राम गोल्हैया थाना लालापुर जनपद प्रयागराज, उम्र करीब 36 वर्ष ।पंजीकृत अभियोग का विवरण-मु0अ0सं0-34/2024 धारा 60 आबकारी अधिनियम थाना लालापुर कमिश्नरेट प्रयागराज । बरामदगी का विवरण-15 लीटर अवैध कच्ची देशी शराब पुलिस टीम का विवरण-1.म0उ0नि0 रेखा भारती थाना लालापुर कमिश्नरेट प्रयागराज ।2.म0आ0नि0 सौम्या देवी थाना लालापुर कमिश्नरेट प्रयागराज ।

डॉक्टर के समर्थन में बीएचयू में आक्रोश मार्च, पुलिस-प्रशासन अलर्ट

प्रयाग दर्पण संवाददाता

वाराणसी। पिछले 5 दिनों से आमरण अनशन पर बैठे सीनियर कार्डियोलॉजिस्ट प्रो. ओमशंकर के समर्थन में आज छात्र आक्रोश मार्च निकालेंगे।

परिसर में विश्वनाथ मंदिर से लेकर सिंह द्वार तक छात्र करीब 2 किलोमीटर लंबा मार्च निकालेंगे। शाम 6 बजे प्रो. ओमशंकर के मांग के समर्थन में एक बड़ी छात्र सभा भी होगा। पुलिस-प्रशासन इस मार्च को लेकर अलर्ट है। बड़ी संख्या में पुलिस के जवान गेट पर तैनात किए जाएंगे। पिछले करीब 96 घंटे से प्रोफेसर केवल नींबू-पानी पर ही चल रहे हैं। प्रो. ओम शंकर का स्वास्थ्य दिनों दिन गिरता चला जा रहा है।

उनका वजन भी 8-9 किलोग्राम तक घट गया है। वहीं, डॉक्टर से मिलने के लिए विपक्ष के नेताओं से लेकर कई सामाजिक कार्यकर्ताओं का उनके चेंबर में हुजूम उमड़ा है। प्रो. ओम शंकर वहीं अपने चेंबर में ही जमीन पर बैठकर ओपीडी चला रहे। मरीजों का इलाज कर रहे हैं। बीएचयू के छात्र सोशल मीडिया पर आक्रोश मार्च का पोस्टर भी वायरल कर रहे हैं। छात्रों ने लिखा है कि महामना और काशी हिंदू विश्वविद्यालय के मूल्यों की रक्षा के लिए और आम जन मानस की स्वास्थ्य सुविधाओं की बेहतरी के लिए आमरण अनशन पर बैठे प्रो. ओम शंकर को समर्थन देना है। इस आक्रोश सभा में कई छात्र संगठन भी शामिल हो सकते हैं।

वाराणसी पुलिस भी इस आक्रोश सभा को लेकर अलर्ट मोड पर है। प्रोफेसर ओम शंकर की मांग है कि बीते 2 साल में कुल 35 हजार मरीजों को बेड नहीं मिल पाया है। जबकि 41 बेड को डिजिटली लॉक किया गया है।

इसे खोला जाए। उन्होंने ये भी मांग उठाई है कि आरोपी अधिकारी को पद से हटाकर हार्ट पेशेंट्स को उचित बेड मुहैया कराया जाए। सुपर स्पेशियालिटी ब्लॉक में पूरा चौथा फ्लोर और पांचवें फ्लोर का आधा हिस्सा कार्डियोलॉजी विभाग को दे दिया जाए।

बीयर की बोतल घोंपकर युवक की हत्या,जैतपुरा में रिक्शा चालक को पहले पीटा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी के जैतपुरा थाना के बकरियाकुंड इलाके में मंगलवार रात कुछ युवकों ने विवाद के बाद रिक्शा चालक की पिटाई कर दी। उसे मारने पीटने के बाद बीयर की बोतल तोड़कर पेट में घोंप दी। वारदात को अंजाम देकर सभी हमलावर फरार हो गए। युवक की चीख सुनकर उसका भाई और आसपास के लोग जुट गए। घायल युवक को अस्पताल ले गए। अस्पताल में इलाज के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। सूचना पाकर पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्रित किया।पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। शक्कर तालाब निवासी आरिफई-रिक्शा चलाता है। उसके साथ ही उसका भाई साबिर भी रहता था। दोनों रिक्शा चलाकर अपना गुजारा कर रहे थे। आरिफ ने बताया कि मंगलवार रात बकरियाकुंड में साबिर का किसी से विवाद हुआ था। हमलावर ने पहले तो साबिर को जमकर लात घूसों से पीटा। इसके बाद हमलावर ने बीयर की बोतल से साबिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिया। हमलावरों ने पेट में बोतल घुसा दी, जिसके कारण गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके शरीर के आंतरिक अंग तक बाहर निकल आए। जिससे खून से लतपथ होकर गिर पड़ा। वहीं चीख सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। लहुलुहान साबिर को लोगों की मदद से ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। जहां इलाज के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं युवक की हत्या के बाद परिवार में कोहराम मचा है। थानाध्यक्ष बृजेश मिश्र ने बताया कि युवक के परिजनों का ट्रॉमा सेंटर से आने का इंतजार किया जा रहा है। सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। परिजनों के तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

प्राधिकरण ने अवैध निर्माण पर चलाया बुलडोजर,1500 वर्गमीटर जमीन को कराया कब्जा मुक्त

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण लगातार अभियान चलाकर अवैध निर्माण को ध्वस्त कर रहा है। वर्क सर्किल-7 के गांव भूड़ा और सलारपुर में प्राधिकरण ने अभियान चलाकर 3 खसरा को कब्जा मुक्त कराया। ये जमीन प्राधिकरण के मास्टर प्लान के अनुसार नियोजित है। प्राधिकरण सीईओ लोकेश एम ने कहा किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण बर्दाश्त नहीं होगा। कब्जा करने वाले अतिक्रमण स्वयं हटा लें नहीं तो प्राधिकरण उसे तोड़ देगा। सर्किल-7 में सेक्टर-81 के खसरा नंबर 100, 101 और सलारपुर गांव के खसरा नंबर 200 पर अतिक्रमण करने वालों ने कमरे बनवा लिए थे। इसमें व्यवसायिक गतिविधि की जा रही थीं। प्राधिकरण ने नोटिस जारी किया। लेकिन अतिक्रमण नहीं हटाया गया। ऐसे में प्राधिकरण के बुलडोजर ने तीनों खसरा पर बने कमरों, चार दीवार और कच्चे निर्माण को ध्वस्त कर दिया। तीनों खसरा को मिलाकर करीब 1500 वर्गमीटर जमीन को कब्जा मुक्त कराया गया। इसकी कीमत करीब 6 करोड़ रुपए आंकी जा रही है। बता दे अब तक प्राधिकरण 4 लाख वर्गमीटर जमीन को कब्जा मुक्त करा चुका है। इस जमीन की कीमत करीब 600 करोड़ रुपए के आसपास है। अभियान निरंतर जारी रहेगा।

थाना सिविल लाइन्स पुलिस द्वारा 03 अभियुक्त गिरफ्तार

कब्जे से पीली धातु के छोटे-बड़े तीन टुकड़े व 01 अवैध देशी तमन्चा .315 बोर व 02 जिंदा कारतूस .315 बोर बरामद

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। थाना सिविल लाइन्स पुलिस द्वारा थाना स्थानीय के पंजीकृत मु0अ0सं0 174/2024 धारा 379 भा0द0वि0 से सम्बन्धित अभियुक्तों 1. देवराज तिवारी पुत्र राम कृष्ण तिवारी निवासी शहबाजपुर थाना मऊआइमा जनपद प्रयागराज 2. रोहित कुमार यादव उर्फ राकेश पुत्र भगवती प्रसाद यादव निवासी चिरौंदीपुर कौडिहार थाना नबाबगंज जनपद प्रयागराज 3.पंकज सोनी पुत्र शिवशंकर सोनी निवासी झूंसी धर्मशाला रोड थाना झूंसी जनपद प्रयागराज को दिनांक 14.05.2024 को मुखबिर खास की सूचना पर बस स्टैण्ड के पिछले गेट के पास थाना क्षेत्र सिविल लाइन्स से गिरफ्तार किया गया तथा उनके कब्जे से चोरी के 114.590 ग्राम पीली धातु के छोटे-बड़े कुल तीन टुकड़े तथा 01 अवैध देशी तमन्चा .315 बोर व 02 अवैध जिंदा कारतूस .315 बोर बरामद किये गये । गिरफ्तारी /बरामदगी के आधार पर उक्त अभियोग में धारा 411 भा0द0वि0 की बढ़ोत्तरी की गयी तथा थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 176/2024 धारा 3/25 आयुध अधिनियम पंजीकृत किया गया। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण - 1.देवराज तिवारी पुत्र राम कृष्ण तिवारी निवासी शहबाजपुर थाना मऊआइमा जनपद प्रयागराज उम्र लगभग 20 वर्ष।2.रोहित कुमार यादव उर्फ राकेश पुत्र भगवती प्रसाद यादव निवासी चिरौंदीपुर कौडिहार थाना नबाबगंज जनपद प्रयागराज उम्र लगभग 34 वर्ष 3.पंकज सोनी पुत्र शिवशंकर सोनी निवासी झूंसी धर्मशाला रोड थाना झूंसी जनपद प्रयागराज पंजीकृत अभियोग का विवरण मु0अ0सं0 176/2024 धारा 3/25 आयुध अधिनियम थाना सिविल लाइन्स कमिश्नरेट प्रयागराज सम्बन्धित अभियोग का विवरणमु0अ0सं0 174/2024 धारा 379/411 भा0द0वि0 थाना सिविल लाइन्स कमिश्नरेट प्रयागराज बरामदगी का विवरण 1- 114.590 ग्राम पीली धातु के छोटे-बड़े कुल तीन टुकड़े। 2. 01 अवैध देशी तमन्चा .315 बोर मय 02 अवैध जिंदा कारतूस .315 बोर।आपराधिक इतिहास्र.अभियुक्त देवराज तिवारी पुत्र राम कृष्ण तिवारी उपरोक्त1. मु0अ0सं0 141/2022 धारा 411/413 भा0द0वि0 थाना सिविल लाइन्स कमिश्नरेट प्रयागराज 2.मु0अ0सं0 40/2023 धारा 380/411/457 भा0द0वि0 थाना मुठ्ठीगंज कमिश्नरेट प्रयागराज 3. मु0अ0सं0 166/2023 धारा 380/411 भा0द0वि0 थाना कोतवाली कमिश्नरेट प्रागराज 4.मु0अ0सं0 130/2024 धारा 60 आबकारी अधिनियम थाना सिविल लाइन्स कमिश्नरेट प्रयागराज 5.मु0अ0सं0 542/2021 धारा 380/411 भा0द0वि0 थाना सोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज ।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम का विवरण- 1.उ0नि0 अभय चन्द थाना सिविल लाइन्स कमिश्नरेट प्रयागराज ।2.उ0नि0 बालेन्द्र सिंह थाना सिविल लाइन्स कमिश्नरेट प्रयागराज ।3.उ0नि0 दिग्विजय सिंह थाना सिविल लाइन्स कमिश्नरेट प्रयागराज।4.प्रशि0म0उ0नि0 मंजू गौतम थाना सिविल लाइन्स कमिश्नरेट प्रयागराज।

दो सगे भाइयों पर युवक का अपहरण कर जमीन लिखवाने का आरोप, छानबीन में जुटी पुलिस

प्रयागराज। सरायममरेज थाना क्षेत्र में दो सगे भाइयों पर अधिवक्ता भाई का अपहरण करवाकर जमीन को अपने नाम खिलवाने का मामला सामने आया है। साथी अधिवक्ता कृष्ण नंद सिंह ने बताया कि सरायममरेज के बीबीपुर निवासी रुद्र प्रताप बिंद उनके पास क्लर्क का काम करता है। मंगलवार को उसके भाई रामजस और रामकृष्ण के साथ जमीन बंदवारे को लेकर विवाद हुआ था। उसके दोनों भाई उसके ऊपर दबाव बना रहे थे कि वह अपनी सारी जमीन पत्नी के नाम कर दो नहीं तो तुम्हारी हत्या करवा दूंगा।उसके देर बाद घर पर कार से 10 से 12 लोग आए और रुद्र प्रताप को जबरन अपने साथ कार में बैठाकर लेकर चले गए। कार सवार लोग असलहे से लैश थे। वहीं शाम करीब साढ़े सात बजे 112 नंबर पर फोन कर मामले की शिकायत की उसके बाद सरायममरेज एसएचओ को घटना की सूचना दिए लेकिन आश्वासन के बाद भी पुलिस अभी रुद्र प्रताप का पता नहीं लगा पाई। अधिवक्ता ने अपहरण कर्ताओं और भाई रामजस व रामकृष्ण के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की है।

मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन,बच्चों ने नारा लगाकर मतदाताओं को किया जागरूक

प्रयाग दर्पण संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी में 1 जून को मतदान होना है। इसको देखते हुए शिव शक्ति फाउंडेशन और शिखर कान्वेंट स्कूल, दफ्फलपुर ने एक साथ मिलकर काशी विद्यापीठ ब्लॉक के जफराबाद, मिसिरपुर, फरीदपुर, दफ्फलपुर और अन्य ग्राम पंचायतों में मतदान करने के लिए लोगों को जागरूक किया। इस मतदाता जागरूकता अभियान में स्कूल के बच्चों ने लोगों से नारों के माध्यम से वोट करने का अपील किया। बच्चों ने आओ मिलकर अलख जगाएं शत प्रतिशत मतदान कराएं, सबसे बढ़कर दाता है भारत के मतदाता हैं, जैसे नारे लगाए गए। इस अवसर पर शिखर कान्वेंट स्कूल के प्रबंधक विनोद द्विवेदी जी ने बताया कि हम लोगों ने पूरा प्रयास किया है कि लोग मतदान के दिन निकलने और अपने मत का उपयोग कर एक अच्छे और ईमानदार प्रत्याशी का चुनाव करें। साथ ही अन्य संगठनों और विद्यालयों से भी निवेदन करते हैं की वे भी मतदान के लिए लोगों को जागरूक करने का प्रयास करें। वहीं शिव शक्ति फाउंडेशन के अध्यक्ष शुभम गुप्ता ने बताया कि मतदान हम सभी का अधिकार है। ऐसे में इस अधिकार का सभी को बढ़ चढ़कर प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने छात्र-छात्राओं से अपील करते हुए कहा कि मतदान के लिए न सिर्फ अपने घरवालों को जागरूक करें बल्कि मोहल्ले के लोगों को भी प्रेरित करें।

शतप्रतिशत मतदान होगा तो योग्य जनप्रतिनिधि का चुनाव हो सकेगा। इस मतदाता जागरूकता रैली में शिखर कान्वेंट स्कूल दफ्फलपुर के प्रबंधक विनोद द्विवेदी, प्रधानाचार्य रश्मी द्विवेदी और सभी शिक्षकगण के साथ स्कूल के सभी बच्चे मौजूद रहे। वहीं शिव शक्ति फाउंडेशन की तरफ से अध्यक्ष शुभम गुप्ता, सचिव दिलीप तिवारी, महासचिव निखलेश्वर मिश्रा, उपाध्यक्ष विवेक तिवारी, नितेश यादव, कोषाध्यक्ष पवन त्रिपाठी, व्यवस्थापक गोपी चौधरी, सलाहकार सतीश कुमार, सदस्य शिवम उपाध्याय, चंद्रशेखर यादव, कुलदीप झा, शिवम दूबे भीम सिंह मौजूद रहे।

धौलपुर पुलिस और वांटेड डकैत के बीच मुठभेड़,45 हजार के इनामी बदमाश को गोली लगी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

आगरा। डकैत राजवीर उर्फ रज्जो (35) को मुठभेड़ के बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। राजस्थान और यूपी पुलिस के लिए सिरदर्द बने इस डकैत के बाएं जांघ में गोली लगी है। पुलिस ने इस पर 45 हजार रुपए का इनाम भी रखा है। मामला धौलपुर के बसेड़ी इलाके का है। डिस्ट्रिक्ट स्पेशल टीम इंचार्ज नीरज शर्मा ने बताया- राजवीर उर्फरज्जो पुत्र दीवान सिंह कंचनपुर (धौलपुर) के छिंगा का अड्डा अतिराजपुरा का रहने वाला है। मंगलवार को कुख्यात डकैत धर्मेंद्र उर्फ लुक्का गुर्जर की तलाश में राजस्थान आर्म्ड कॉन्स्टेबुलरी कमांडो और पुलिस की टीम बसेड़ी (धौलपुर) इलाके में गश्त कर रही थी। मंगलवार शाम करीब 6.30 बजे आरएसी कमांडो रूपेंद्र सिंह और कॉन्स्टेबल अशोक कुमार मीणा को मुखबिर से राजवीर के अपने 2 साथियों के साथ उस रूट से आने की सूचना मिली। टीम ने बसेड़ी (धौलपुर) इलाके के पिपरोन पुलिया पर कॉन्स्टेबल अशोक कुमार के साथ कमांडो रूपेंद्र को छोड़ दिया। बाकी साथी पिपरोन पुलिया से करीब 100 मीटर की दूरी पर सरकारी कॉलेज के सामने निगरानी करने लगे। मंगलवार शाम करीब 6.45 बजे राजवीर अपने साथियों के साथ बाइक से सरकारी कॉलेज के सामने से निकला। वहां पहले से ही खड़े कमांडो रूपेंद्र और कॉस्टेबल अशोक कुमार ने उसे रुकने का इशारा किया। डकैत के साथी ने बाइक की रफ्तार बढ़ा दी। बदमाशों को रोकने का प्रयास किया गया। इतने में उनकी बाइक असंतुलित होकर गिर गई। राजवीर खतरे को भांपकर वहां से भागने लगा। पुलिस ने राजवीर का पीछा किया। राजवीर ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। डकैत राजवीर ने पुलिस से बचने के लिए सात राउंड फायर किए। आरएसी कमांडो रूपेंद्र और पुलिस कॉन्स्टेबल अशोक कुमार मीणा बाल-बाल बच गए। दोनों उनके सिर के ऊपर से निकल गईं। इसके जवाब में कॉन्स्टेबल अशोक मीणा ने एके-47 से 5 राउंड फायर किए। एक गोली डकैत के जांघ में लगी। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उधर, मौका पाकर डकैत के दोनों साथी फरार हो गए। राजवीर के पास से पुलिस को 315 बोर का लोडेड देसी कट्टा और 11 कारतूस मिले हैं। डकैत के खिलाफ आर्म्स एक्ट का भी मामला दर्ज किया गया है। राजवीर पर धौलपुर और उत्तर प्रदेश के आगरा में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह हथियार के दम पर चोरी, नकबजनी और लूट की वारदात को अंजाम देता था। धौलपुर पुलिस ने 25 हजार और उत्तर प्रदेश के आगरा पुलिस ने 20 हजार रुपए का इनाम राजवीर पर रखा था। डीएसटी इंचार्ज हेड कॉन्स्टेबल नीरज शर्मा ने बसेड़ी थाने में राजवीर के खिलाफजानलेवा हमला करने और आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज कराया है। धौलपुर जिले में टॉप 10 डकैत गिरोह का सफाया करने के लिए पुलिस के अलावा आरएसी कमांडो की भी टीम तैयार की गई है। जिस टीम को कुख्यात डकैत धर्मेंद्र उर्फ लुक्का गुर्जर को गिरफ्तार करने का टास्क दिया गया है। इसी दौरान टीम को धौलपुर के इनामी डकैत राजवीर के आने की सूचना मिली थी। इस ऑपरेशन में आरएसी कमांडो के हेड कॉन्स्टेबल नीरज शर्मा, कमांडो रूपेंद्र सिंह, कुलदीप सिंह, नरेश कुमार, चंद्रभान, विष्णुपाल, राजकुमार शर्मा, अशोक कुमार मीणा की अहम भूमिका रही।

तांत्रिक ने महिला को दी यातनाएं,ऊपरी चक्कर के नाम पर गर्म चिमटे से दागा

आगरा। आगरा के थाना ट्रांस यमुना क्षेत्र में अंधविश्वास में महिला को यातनाएं दी गई। महिला पर ऊपरी चक्कर होने की बात कह कर जेठ-जेठानी उसे तांत्रिक के पास ले गए। आरोप है कि तांत्रिक ने झाड़ू से पिटाई लगाई। गर्म चिमटे से उसकी पीठ पर कई जगह दाग दिया। पीड़िता ने पुलिस से शिकायत की है। पुलिस का कहना है कि घटना फिरोजाबाद की है। जांच की जा रही है। जानकारी के अनुसार थाना ट्रांस यमुना क्षेत्र निवासी युवक की पत्नी को पेट में दर्द की शिकायत थी। उसे चक्कर भी आते थे। घरवालों को लगता था कि उस पर ऊपरी चक्कर है। महिला का पति परचून की दुकान चलाता है। उसका जेठ ट्रक चालक है। महिला मंगलवार को पति के साथ थाने पर पहुंची थी। उसने पुलिस को बताया कि उसे पेट दर्द की शिकायत है। चक्कर भी आने लगते हैं। एक सप्ताह पहले जेठ-जिठानी ने कहा कि उनकी जानकारी में एक भगत है, वो इसका इलाज कर देगा। आरोप है कि दोनों उसे फिरोजाबाद में एक तांत्रिक के पास ले गए। तांत्रिक ने झाड़ू और थप्पड़ों से पिटाई की। गर्म चिमटे से पीठ पर कई जगह पर दाग दिया। इससे उसके पीड़ा हुई। पीठ पर मारपीट के निशान हैं। महिला के पति का कहना था कि घरवाले पत्नी से कई बार मारपीट कर चुके हैं। वह विरोध करता है तो धमकी देते हैं।ऊपरी चक्कर के नाम पर पत्नी को तांत्रिक के पास ले गए, जहां उसे यातनाएं दी गई। थाना अध्यक्ष सुमनेश विकल ने बताया कि पीडित ने शिकायत की है। फिरोजाबाद ले जाकर पिटाई का आरोप लगाया है। महिला के पति को संबंधित थाने में शिकायत करने के लिए कहा गया है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याज्ञवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित। संरक्षक :-स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा संपादकः-स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याज्ञवल्क्य)। मोबाइल नंबर 9450475366 Email :- prayagdarpan@gmail.com, R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804 इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।